epaper.dehatsandesh.com

3 स्वच्छता 2.0 के तहत बिलावर में स्वच्छता एवं जागरूकता रैली का आयोजन

5 वीमेंस हंड्रेड: स्मृति मंधाना मैनचेस्टर सुपर जायंट्स से जुड़ी

8 उर्वरक, पौधों के लिये आवश्यक तत्वों की तत्काल पूर्ति के साधन

मौसम जम्मू न्यूनतम 8 अधिकतम 15

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-15 | जम्मू तवी, शनिवार 17 जनवरी, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

विश्वविद्यालयों को नवाचार और समाधान के लिए प्रेरित होना चाहिए: सिन्हा

कहा कि संस्थानों को AI और अत्याधुनिक आईटी तकनीकों को अपनाना चाहिए

जम्मू, 16 जनवरी। लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को लोक भवन में जम्मू यूनिवर्सिटी की यूनिवर्सिटी काउंसिल की 89वीं बैठक की अध्यक्षता की। यूनिवर्सिटी काउंसिल, जिसकी बैठक लेफ्टिनेंट गवर्नर की अध्यक्षता में हुई, ने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 और गाइडलाइंस के अनुसार कई प्रावधानों को शामिल करने सहित विभिन्न एजेंडा आइटम और प्रस्तावों को सैद्धांतिक मंजूरी दी। इनमें स्ट्रेटेजिक एक्शन प्लान (2025-2030) को अपनाना; मैथमेटिकल साइंसेज में पांच साल का इंटीग्रेटेड प्रोग्राम शुरू करना; शिक्षकों को ड्यूटी लीव देने के लिए गाइडलाइंस; जम्मू यूनिवर्सिटी एनिमल

वेलफेयर क्लब का गठन; रीजनल स्टडीज, कल्चर, डायलेक्टिक्स और इमोशनल इंटेलिजेंस के लिए एक सेंटर की स्थापना; चार साल के अंडर ग्रेजुएट प्रोग्राम में B.Tech. (इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी) का नाम बदलकर B.Tech. (इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एंड मैथमेटिकल इनोवेशन) करना शामिल है। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने इस बात पर जोर दिया कि यूनिवर्सिटीज को इनोवेशन और रिसर्च के लिए बेंचमार्क तय करने चाहिए और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अत्याधुनिक भारतीय प्रबंधन संस्थान टेक्नोलॉजी को शामिल करने के लिए कोर्स में नियमित रूप से बदलाव करना चाहिए। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने कहा, अब यूनिवर्सिटीज को आगे बढ़कर इनोवेशन का नेतृत्व करने, स्किल्स विकसित करने और समाज की सबसे कठिन चुनौतियों को हल करने का समय आ गया है।卐 उन्होंने जम्मू यूनिवर्सिटी को छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए वित्तीय संस्थानों के साथ सहयोग करने और मौजूदा स्किल डेवलपमेंट कोर्स का कठोर प्रभाव मूल्यांकन करने का निर्देश दिया। उन्होंने यूनिवर्सिटी से स्थानीय सांस्कृतिक विरासत, भाषाओं और कलाओं में अध्ययन को बढ़ावा देने और सूफी अध्ययन के गुरु नानक देव चेयर को पुनर्जीवित करने के लिए समर्पित उपाय करने को भी कहा। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने कहा कि यूनिवर्सिटीज को प्राकृतिक आपदाओं के लिए उन्नत प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली विकसित करनी चाहिए और स्थानीय चुनौतियों का समाधान प्रदान करना चाहिए।

भारतीयों द्वारा भारतीय सर्वरों पर तैयार हो स्वदेशी एआई : मोदी

नयी दिल्ली, 16 । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भविष्य में किसी देश को आगे रखने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता में क्रांति जरूरी होगी और इसलिए हमारा प्रयास होना चाहिए कि स्वदेशी एआई भारतीयों द्वारा भारतीय सर्वरों पर ही तैयार हो।

श्री मोदी ने यहां भारत मंडपम् में स्टार्टअप इंडिया मिशन के 10 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि पिछले 10 साल में देश में एक ऐसा वातावरण तैयार हुआ है जो नवाचार को बढ़ावा देता है। सरकार ने विश्वास और पारदर्शिता का माहौल बनाया है। जन विश्वास कानून बनाया है। स्टार्टअप के लिए कई कानूनों में स्व-प्रमाणन की सुविधा दी गयी है ताकि स्टार्टअप का समय मुकदमेबाजी में बर्बाद न हो।

इससे पहले श्री मोदी ने कुछ स्टार्टअप

कंपनियों के स्टॉल पर जाकर उनके द्वारा किये जा रहे काम के बारे में जाना। इसके बाद कुछ स्टार्टअप ने मंच से अपनी यात्रा और स्टार्टअप इंडिया मिशन से मिले लाभ के बारे में बताया। श्री मोदी ने कहा कि आज का अनुसंधान ही कल की बौद्धिक संपदा बनती है। जो देश एआई की क्रांति में जितना आगे होगा वह उतनी ही लाभ की स्थिति में होगा। कार्यक्रम में मौजूद स्टार्टअप का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा, यह काम आपको करना होगा। इंडिया एआई मिशन के जरिये 38 हजार से अधिक जीपीयू को ऑनबोर्ड किया है। हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि स्वदेशी एआई भारतीयों द्वारा भारतीय सर्वरों पर ही तैयार हों।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश का नौजवान आज खिंची-खिंचाई लकीर पर आराम से अपनी जिंदगी गुजारने के लिए तैयार नहीं है। वह अपने लिए नये रास्ते खुद बनाना चाहता है। उन्होंने कहा कि जोखिम लेने वालों को अब सम्मान मिलता है और यह अब फैशन बन रहा है।इसी संदर्भ में अपनी सरकार की काम करने की शैली का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, 卐जोखिम लेना मेरी भी आदत रही है। जिन कामों को दशकों से किसी ने नहीं छुआ, जिनके लिए लोग कहते थे कि राजनीतिक जोखिम है, मैं उन्हें अपना दायित्व समझकर जरूर करता हूं।

खबर संक्षेप

तेंदुए के हमले में एक 15 वर्षीय किशोर हुआ घायल

राजौरी, 16 जनवरी। राजौरी जिले के दूरदराज क्षेत्र थन्नामंडी में तेंदुए के हमले में एक 15 वर्षीय किशोर घायल हो गया जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना पंचायत दोदासन बाला वार्ड नंबर-2 गुरिया में उस समय हुई जब अचानक तेंदुए ने किशोर पर हमला कर दिया। घायल किशोर की पहचान मोहम्मद सज्जाद पुत्र मोहम्मद फरीद के रूप में हुई है। उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), थन्नामंडी पहुंचाया गया जहां उसका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भय व्याप्त है। ग्रामीणों ने वन विभाग व प्रशासन से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की है।

मुकेश सिंह ने लद्दाख के पुलिस महानिदेशक के रूप में कार्यभार संभाला

लेह, 16 जनवरी । भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी मुकेश सिंह ने शुक्रवार को लद्दाख के पुलिस महानिदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। अधिकारियों ने बताया कि 1996 बैच के आईपीएस अधिकारी मुकेश सिंह ने दोपहर में औपचारिक रूप से लद्दाख के डीजीपी के रूप में कार्यभार संभाला। उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब क्षेत्र कानून प्रवर्तन, सीमा प्रबंधन और आंतरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। नवनियुक्त डीजीपी अपने साथ जम्मू और कश्मीर और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में कई महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए पुलिसिंग का व्यापक और विविध अनुभव लेकर आए हैं। वर्षों से, उन्होंने भारत-तिब्बत सीमा पुलिस में अतिरिक्त महानिदेशक, जम्मू में अतिरिक्त महानिदेशक, आईटीबीपी के महानिरीक्षक, जम्मू के महानिरीक्षक, जम्मू और कश्मीर में अपराध महानिरीक्षक और राष्ट्रीय जांच एजेंसी में महानिरीक्षक सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है।

उमर अब्दुल्ला ने जम्मू कश्मीर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ट्रैवल इंडस्ट्री के साथ मज़बूत पार्टनरशिप की अपील की

मुंबई, 16 जनवरी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को मुंबई में ट्रैवल और ट्रेड सेक्टर के बड़े स्टेकहोल्डर्स को संबोधित किया और उनसे जम्मू-कश्मीर को एक सुरक्षित, जीवंत और हर मौसम में घूमने लायक टूरिस्ट डेस्टिनेशन के तौर पर बढ़ावा देने के लिए सरकार के साथ पार्टनरशिप करने की अपील की। महाराष्ट्र और गुजरात के ट्रैवल एजेंटों, टूर ऑपरेटरों और ट्रैवल

एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह पहल डेस्टिनेशन को बेचने के बारे में नहीं थी, बल्कि विश्वास और पार्टनरशिप को मज़बूत करने के बारे में थी। आज मैं जम्मू और कश्मीर टूरिज्म को बढ़ावा देने नहीं आया हूँ। मैं आप लोगों के बीच छ्व×च को एक टूरिस्ट डेस्टिनेशन के तौर पर बेचने नहीं आया हूँ। आज मैं जम्मूकश्मीर की खूबसूरती के बारे में बात करने नहीं आया हूँ। कश्मीर की खूबसूरती के बारे में जितना मैं जानता हूँ, उतना ही आप भी जानते हैं, मुख्यमंत्री ने जम्मूकश्मीर और महाराष्ट्र और गुजरात के ट्रैवल समुदाय के बीच लंबे समय से चले आ रहे रिश्ते पर ज़ोर देते हुए कहा। महाराष्ट्र और गुजरात के ट्रैवल एजेंटों, टूर ऑपरेटरों और ट्रैवल एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने पिछले कुछ सालों में जम्मूकश्मीर के टूरिज्म सेक्टर को सपोर्ट करने और मज़बूत बनाने में महाराष्ट्र की अहम भूमिका पर ज़ोर दिया। उन्होंने खास तौर पर पिछले साल पहलगाम हमले के बाद महाराष्ट्र की ट्रैवल एजेंसियों द्वारा दिखाई गई एकजुटता और लगातार सपोर्ट की सराहना की, और कहा कि उनके भरोसे ने टूरिस्टों की आमद और डेस्टिनेशन पर विश्वास को बहाल करने में मदद की।

वैष्णो देवी रोपवे पर स्थानीय लोगों द्वारा मुआवज़े की मांग

जम्मू तवी, 16 जनवरी। माता वैष्णो देवी की गुफा मंदिर के रास्ते में तीर्थयात्रियों के रहने और ट्रांसपोर्टेशन सहित अलग-अलग सेवाओं से जुड़े सैकड़ों मजदूरों ने शुक्रवार को प्रस्तावित रोपवे लिंक को लेकर अधिकारियों से मुआवज़े की मांग की। उन्होंने आशंका जताई कि यह प्रोजेक्ट उनकी रोज़ी-रोटी के लिए खतरा बन जाएगा।

संघर्ष समिति रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित मंदिर को कटरा के बेस कैंप से जोड़ने वाले रोपवे को लगाने के श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के फैसले का विरोध कर रही है।एसोसिएशन ने कटरा में ताराकोट मार्ग को सांझी छत पहाड़ी से 12 किलोमीटर लंबे रोपवे ट्रैक के ज़रिए जोड़ने वाले प्रस्तावित 250 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट को तुरंत वापस लेने की मांग की है।सैकड़ों मजदूर कटरा के शालीमार पार्क में इकट्ठा हुए और रोपवे प्रोजेक्ट लगाने से पहले पूरे मुआवज़े की मांग की।

नेता भूपिंदर सिंह जमवाल ने कहा कि मजदूर रोपवे प्रोजेक्ट तभी स्वीकार करेंगे जब उनके हितों की रक्षा की जाएगी, और प्रशासन को जल्द कार्रवाई करने या बड़े विरोध प्रदर्शन का सामना करने की चेतावनी दी।

सीबीआई ने पटवारी, चौकीदार को 15000 रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया

श्रीनगर, 16 जनवरी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने एक शिकायतकर्ता से रिश्वत लेते हुए दो सरकारी कर्मचारियों को गिरफ्तार किया।

एक अधिकारी ने बताया कि सीबीआई के अधिकारियों ने अनंतनाग के कोकरनाग स्थित हलका सोफा शाली के निवासी एक पटवारी और एक चौकीदार को शिकायतकर्ता से 15,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। अधिकारी ने बताया, 卐सीबीआई ने 15.01.2026 को आरोपी पटवारी के खिलाफ मामला दर्ज किया। आरोप है कि आरोपी सरकारी कर्मचारी ने शिकायतकर्ता की जमीन के सीमांकन के लिए 30,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी7卐 उन्होंने आगे कहा, 卐सीबीआई ने 15.01.2026 को जाल बिछाकर आरोपी पटवारी और दलाल चौकीदार को रंगे हाथों पकड़ा। उपरोक्त आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे की जांच जारी है।

एम.ए स्टेडियम में आने वाले गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों का जायजा

जम्मू, 16 जनवरी। डिविजनल कमिश्नर जम्मू, रमेश कुमार और इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस भीम सेन टूटी ने लेवल के गणतंत्र दिवस 2026 समारोह की तैयारियों का जायजा लेने के लिए एम ए स्टेडियम का दौरा किया। पुलिस और सिविल प्रशासन के सीनियर अधिकारी, जिनमें डिप्टी कमिश्नर जम्मू, कमिश्नर जम्मू म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, डायरेक्टर इन्फॉर्मेशन, लाइन डिपार्टमेंट मौजूद थे। दौरे के दौरान, डिविजनल कमिश्नर और आईजीपी जम्मू ने राष्ट्रीय त्योहार को सुचारू और सफल तरीके से आयोजित करने के लिए विभिन्न विभागों को सौंपे गए इंतजामों और तैयारियों का जायजा लिया। इंतजामों की समीक्षा करते हुए, डिव कमिश्नर ने योजनाओं को लागू करते समय विभागों के बीच करीबी तालमेल बनाए रखने पर जोर दिया। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे सभी इंतजामों को समय पर पूरा कर लें।

जम्मू-कश्मीर में उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए सुरक्षा बल पूरी तरह तैयार हैं: डुलू

जम्मू, 16 जनवरी। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने शुक्रवार को कहा कि सीमा पार से दुश्मन ताकतों सहित विरोधी तत्व जम्मू और कश्मीर में गड़बड़ी पैदा करने की कोशिश करेंगे, लेकिन ज़मीन पर तैयारी मज़बूत बनी हुई है। डुल्लू ने कहा कि घुसपैठ की कोशिशों से लेकर मौसम और इलाके से जुड़ी मुश्किलों तक कई चुनौतियाँ बनी हुई हैं, जिनका अक्सर विरोधी तत्व फायदा उठाते हैं। हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि जो लोग यहाँ सुरक्षा स्थिति को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें हमारा पड़ोसी देश भी शामिल

है, वे अपनी कोशिशें जारी रखेंगे। इस पर भी ध्यान देने की ज़रूरत है, डुल्लू ने कहा। उनका पाकिस्तान और उसके आतंकी नेटवर्क लगातार प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि अचानक हमला करके स्थिति को और खराब किया जाए, उन्होंने कहा। सुरक्षा तंत्र पर भरोसा जताते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि सभी एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। उन्होंने कहा, सेना, अर्धसैनिक बल, जम्मू और कश्मीर पुलिस और खुफिया एजेंसियां पूरी तरह से अलर्ट हैं और हर साज़िश का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार हैं। डुल्लू ने 2025 में जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति को काफी हद तक नियंत्रण में बताया, जो सुरक्षा बलों की ऑपरेशनल प्रभावशीलता और मज़बूत प्रतिक्रिया को दर्शाता है। डुल्लू ने कहा, 卐एक बड़ी घटना - पहलगाम हमले - को छोड़कर, 2025 में कुल मिलाकर सुरक्षा स्थिति काफी हद तक नियंत्रण में थी।

कठुआ में आतंकियों के तीन ठिकाने ध्वस्त, सर्च ऑपरेशन जारी

कठुआ, 16 जनवरी । कठुआ जिले के बिलावर क्षेत्र में पुलिस और अन्य सुरक्षाबलों की संयुक्त कार्रवाई में आतंकियों के तीन ठिकानों का भंडाफोड़ किया गया है। बीते 7 जनवरी 2026 को कामाड़ नाला, कलाबन और धनु परोल के जंगलों में आतंकियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना के आधार पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। इस दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग की, जिसके बाद रात भर मुठभेड़ चलती रही। सर्च के दौरान एक आतंकी ठिकाने से एम-4 राइफल के खाली कारतूस, खाने-पीने का सामान, कंबल, तिरपाल और अन्य उपयोगी वस्तुएं बरामद की गईं। इसके बाद 16 जनवरी 2026 को कलिखड़ और कलाबन इलाकों में दो और आतंकी ठिकानों का पता लगाकर गैस सिलेंडर, बर्तन, टॉर्च,

कंबल और अन्य सामग्री जब्त की गई। एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा ने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान जारी है और जिले में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है।

महाराष्ट्र चुनाव में भाजपा की जीत मोदी की नीतियों पर जनता की मुहर: तरुण चुग

नई दिल्ली, 16 जनवरी । महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों में मिली अभूतपूर्व सफलता पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रसन्नता व्यक्त की है। भाजपा ने कहा है कि इस जनादेश ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों, उनके राष्ट्रवाद और विकसित भारत के संकल्प को अपना आशीर्वाद दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि जनता ने इंडी गठबंधन को वोट के माध्यम से नकार दिया है। उन्होंने कहा कि 26 मई 2014 से लेकर लगातार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन निरंतर ऊंचाइयों की ओर बढ़ा है और आज भी भरपूर मात्रा में जनता का आशीर्वाद मिला है। आज महाराष्ट्र के भीतर नगर निकाय के चुनावों में मिले जनादेश ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जनता ने प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों, उनके राष्ट्रवाद और विकसित भारत के संकल्प को अपना आशीर्वाद दिया है। उन्होंने कहा कि यह परिणाम

राष्ट्रवादी शक्तियों की जीत है और परिणाम आने से पहले ही राहुल गांधी ने पुराने राग को नए तरीके से अलापना शुरू कर दिया है। कभी कहते हैं ईवीएम गलत है, कभी चुनाव आयोग गलत है और कभी वोटर लिस्ट गलत है। राहुल गांधी के लिए संदेश साफ है कि गलत ईवीएम नहीं, बल्कि उनकी राजनीति गलत है, उनका इतिहास गलत है, उनकी हिमालयन मिस्टेक्स और उनकी नीतियां गलत हैं।

सरकार के पेंशनर्स को सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम हेल्थ बेनिफिट्स मिलेंगे

श्रीनगर, 16 जनवरी। जम्मूकश्मीर सरकार ने अपने पेंशनर्स के लिए सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम के हेल्थ बेनिफिट्स बढ़ा दिए हैं, जिसमें एलिजिबिलिटी और कवरेज के लिए खास नियम और शर्तें होंगी। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि जम्मू और कश्मीर के सिर्फ़ वही सरकारी कर्मचारी जो 31 अक्टूबर, 2019 को या उसके बाद रिटायर हुए हैं, वे ही सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम मेडिकल सुविधाओं का फायदा उठा पाएंगे। जो पेंशनर्स कट-ऑफ डेट से पहले रिटायर हुए हैं, उन्हें इस स्कीम में शामिल नहीं किया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि इस कदम का मकसद सेंट्रल गवर्नमेंट से रिटायर हुए लोगों की तरह ही एलिजिबल पेंशनर्स के लिए हेल्थकेयर तक पहुंच में समानता लाना है, साथ ही लाभार्थियों की साफ पहचान भी सुनिश्चित करना है। हालांकि, सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम बेनिफिट्स के विस्तार के साथ एक मुख्य शर्त भी है। सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम चुनने वाले पेंशनर्स को अपना आयुष्मान भारत हेल्थ कार्ड सरेंडर करना होगा, क्योंकि दोनों हेल्थ स्कीम के तहत एक साथ बेनिफिट्स की इजाज़त नहीं होगी।

अधिकारियों ने कहा कि एलिजिबल पेंशनर्स को स्विच करने के लिए औपचारिक रूप से अपना ऑप्शन चुनना होगा और बेनिफिट्स पाने के लिए ज़रूरी प्रक्रियाएं पूरी करनी होंगी, जिसमें अंडरटेकिंग जमा करना और आयुष्मान भारत कार्ड सरेंडर करना शामिल है।

स्पंदन राधा कृष्ण का

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आतताइयों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कई जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया।

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आतताइयों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कई जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया। श्रीकृष्ण ने किसी चमत्कार से लड़ाइयाँ नहीं जीती। बल्कि अपनी बुद्धि योग और ज्ञान के आधार पर जीवन को सार्थक किया। मनुष्य का जन्म लेकर, मानवता की...उसके अधिकारों की सदैव रक्षा की। वे जीवन भर चलते रहे, कभी भी स्थिर नही रहे। जहाँ उनकी पुकार हुई,वे सहायता जुटाते रहे। उधर जब से कृष्ण वृन्दावन से गए, गोपियाँ और राधा तो मानो अपना अस्तित्व ही खो चुकी थी। राधा ने कृष्ण के वियोग में अपनी सुधबुध ही खो दी। मानो उनके प्राण ही न हो केवल काया मात्र रह गई थी। राधा को वियोगिनी देख कर ,कितने ही महान कवियों- लेखकों ने राधा के पक्ष में कान्हा को निर्मोही जैसी उपाधि दी। दे भी क्यूँ न ?

राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें, वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ , वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे , वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी। राधा जो वनों में भटकती ,कृष्ण कृष्ण पुकारती,अपने प्रेम को अमर बनाती,उसकी पुकार सुन कर भी ,कृष्ण ने एक बार भी पलट कर पीछे नही देखा। ...तो क्यूँ न वो निर्मोही एवं कठोर हृदय कहलाए। राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें , वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ , वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे , वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी ... किन्तु कृष्ण के हृदय का स्पंदन किसी ने नहीं सुना। स्वयं कृष्ण को कहाँ कभी समय मिला कि वो अपने हृदय की बात..मन की बात सुन सकें। या फिर क्या यह उनका अभिनय था ? जब अपने ही कुटुंब से व्यथित हो कर वे प्रभास -क्षेत्र में लेट कर चिंतन कर रहे थे तब जरा के छोडे तीर की चुभन महसूस हुई। तभी उन्होंने देहोत्सर्ग करते हुए, राधा शब्द का उच्चारण किया। जिसे जरा ने सुना और उद्धव को जो उसी समय वह पहुँचे..उन्हें सुनाया। उद्धव की आँखों से आँसू लगतार बहने लगे। सभी लोगों को कृष्ण का संदेश देने के बाद ,जब उद्धव ,राधा के पास पहुँचे ,तो वे केवल इतना कह सके -

राधा, कान्हा तो सारे संसार के थे,
किन्तु राधा तो केवल कृष्ण के हृदय में थी

कष्टहरता जय हनुमान...

हनुमान बजरंगबली और महावीर के नामों से जाने जाने वाले पवनसुत सप्त चिरंजीवियों में से एक हैं। पद्म-पुराण के 56-6-7 वें श्लोक में उनका अन्य छः चिरंजीवियों के साथ नाम इस प्रकार आता है-

अश्वत्थामा बलिव्यासो हनुमानन्च विभीषण।
कृप परशुरामश्च सप्तैत चिरंजीविन ।

वस्तुतः रामभक्त, संकटमोचन, रामसेवक, रामदूत, केशरीनंदन, आंजनेय, अंजनीसुत, कपीश, कपिराज, पवनसुत और संकटमोचक के रूप में विख्यात हनुमान अपने भक्तों को व्याधियों व संकटों, वेदनाओं तथा परेशानियों से मुक्ति दिलाते हैं।

हनुमान भक्ति व पूजा का लाभ

हर व्यक्ति को जीवन में अनेक समस्याओं से गुजरना पड़ता है, ऐसे में हनुमानजी का स्मरण उसकी कष्टों से रक्षा करता है। जहाँ हनुमानजी का नाम मुश्किलों से बचाव करता है, वहीं वह मन से अनजाने भय को निकालकर शुभ व मंगल का पथ प्रशस्त करता है, विपत्तियों से मुक्ति दिलाता है।

वास्तव में, हनुमानजी रामभक्ति, सत्य मर्यादा, ब्रह्मचर्य, सदाचार व त्याग की चरम सीमा हैं। इसका सविस्तार वर्णन हमें सुंदरकांड में मिलता है। इसीलिए सुंदरकांड का पाठ करने से अनिष्ट, अमंगल तथा संकट की समाप्ति होती है, और नेष्ट का रास्ता खुलता है। सुंदरकांड का पाठ करने से हनुमानजी प्रसन्न होते हैं, तथा भक्त को सुपरिणाम प्रदान करते हैं।

कार्यसिद्धि के लिए भी सुंदरकांड का पाठ किया जाता है। परंतु इस हेतु पाठ अमावस्या की रात्रि से शुरू करके नियमित रूप से 45 दिन करना चाहिए। इसके अतिरिक्त नवरात्रि के समय भी सुंदरकांड का पाठ करना उचित माना जाता है। एक ऐसी भी मान्यता है कि नौ ग्रहों को रावण की कैद से केशरीनंदन ने ही म ु क्त कराया था। उस समय शनि ने हनुमानजी को वचन दिया था कि- हे हनुमान! जो कोई भी आपकी पूजा-अर्चना करेगा, मैं उसे नहीं सताऊँगा। साधक को मंगलवार व शनिवार की पूजा करने से विशेष लाभ प्राप्त होता है। यथार्थ तो यह है कि कलियुग में महावीर हनुमान का नाम सही अर्थों में संकटमोचन है।

कौन थीं कृष्ण की 16108 रानियां ?

श्रीकृष्ण का नाम आते ही हमारे मन असीम प्रेम उमड़ता है। सभी जानते हैं कि असंख्य गोपियां थी जो श्रीकृष्ण से अनन्य प्रेम करती थीं। परंतु उनकी शादी श्रीकृष्ण से नहीं हो सकी। श्रीकृष्ण की प्रमुख पटरानी रुकमणी पटरानी रुकमणी सहित उनकी 8 पटरानियां एवं 16100 रानियां थीं। कुछ विद्वानों का यह मत है कि कृष्ण की प्रमुख रानियां तो आठ ही थीं, शेष 16,100 रानियां प्रतीकात्मक थीं। इन्हें वेदों की ऋचाएं माना गया है। ऐसा माना जाता है चारों वेदों में कुल एक लाख श्लोक हैं। इनमें से 80 हजार श्लोक यज्ञ के हैं, चार हजार श्लोक पराशक्तियों के हैं। शेष 16 हजार श्लोक ही गृहस्थों या आम लोगों के उपयोग के अर्थात भक्ति के हैं। इन श्लोकों को ऋचाएं कहा गया है, ये ऋचाएं ही भगवान कृष्ण की पत्नियां थीं। श्रीकृष्ण की प्रत्येक रानी से 10-10 पुत्र एवं प्रत्येक रानी से 1-1 पुत्री का जन्म हुआ।

क्या है कृष्ण की रासलीला का सच ?

कुछ लोग अपने आपको कृष्ण भक्त या कृष्ण के अनुयाई बताकर चेहरे पर बड़े गर्व के भाव व्यक्त करते हुए घूमते हैं। यदि उनसे पूछा जाए कि क्या है कृष्ण का मतलब? क्या था कृष्ण का व्यक्तित्व, और क्या कहते हैं कृष्ण अपनी गीता में क्या रसिया कृष्ण की गीता में रासलीला का बड़ा ही सुन्दर वर्णन आया है इतना पूछने पर, अपने आप को कृष्ण का अनुयाई कहने वाले ये तथाकथित कृष्ण भक्त खिसियाकर बगलें झांकने लगते हैं।

वास्तविकता यह है कि रास शब्द रस से ही बना है। जबकि रस शब्द का अर्थ है आनंद। आगे चलकर हम देखते हैं कि संगीत के साथ किये जाने वाले नृत्य को ही काव्य अथवा साहित्य में रास संज्ञा से सूचित किया जाने लगा। पता नहीं रासलीला को लेकर समाज में यह गलत मान्यता कैसे प्रचलित हो गई। संस्कृत कवि जयदेव ने अपने काव्य में कृष्ण को नायक बनाकर कई श्रृंगारिक गीतों की रचना की जो कि पूरी तरह काल्पनिक एवं मनगढ़ंत हैं। जयदेव की परंपरा को ही बाद में विद्यापति....से लेकर सूरदास ने आगे बढ़ाया।

नौ वर्ष के कृष्ण- एक अति महत्वपूर्ण बात और भी है जिससे बहुत कम ही लोग परिचित हैं। वह यह है कि जब कृष्ण ने हमेशा-हमेशा के लिये गोकुल-वृंदावन छोड़ा तब उनकी उम्र मात्र नौ वर्ष की थी। इससे यह तो स्पष्ट ही है कि कृष्ण जब गोप-गोपिकाओं के साथ गौकुल-वृंदावन में थे तब नौ वर्ष से भी छोटे रहे होगें। अति मनोहर रूप, बांसुरी बजाने में अत्यंत निपुण, अवतारी आत्मा होने के कारण जन्मजात प्रतिभाशाली आदि तमाम बातों के कारण वे आसपास के पूरे क्षेत्र में अत्यंत् लोकप्रिय थे। नौ वर्ष के बालक का गोपियों के साथ नृत्य करना एक विशुद्ध प्रेम और आनंद का ही विषय हो सकता है। अत कृष्ण रास को शारीरिक धरातल पर लाकर उसमें मोजमस्ती या भोग विलास जेसा कुछ ढूंढना इंसान की स्यवं की फितरत पर निर्भर करता है। कृष्ण के प्रति कोई राय बनाने से पूर्व इंसान को गीता को समझना होगा क्योंकि उसके बिना कोई कृष्ण को वास्तविक रूप में समझ ही नहीं पाएगा।

माँ गंगा का प्राकट्य

शिव का हिमालय और गंगा से घनिष्ठ संबंध है और गंगा से उनके संबंध की कथा से लोकप्रिय चित्रांकन बड़ा समृद्ध हुआ है। हिंदुओं के लिए समस्त जल, चाहे वह सागर हो या नदी, झील या वर्षाजल, जीवन का प्रतीक है और उसकी प्रकृति दैवी मानी जाती है। इस संदर्भ में प्रमुख हैं तीन पवित्र नदियाँ- गंगा, यमुना और काल्पनिक सरस्वती। इनमें से पहली नदी सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

चूँकि गंगा स्त्रीलिंग हैं, इसलिए उसे लंबे केशों वाली महिला के रूप में अंकित किया जाता है। देवी के रूप में गंगा उन सबके पाप धो देती है जो इतने भाग्यशाली हों कि उनकी भस्म उसके पवित्र जल में प्रवाहित की जाए। ब्रह्मवैवर्त पुराण में गंगा को संबोधित करने वाले एक पद में स्वयं शिव कहते हैं- पृथ्वी पर लाखों जन्म-जन्मान्तर के दौरान एक पापी जो पाप के पहाड़ जुटा लेता है, गंगा के एक पवित्र स्पर्श मात्र से लुप्त हो जाता है। जो भी व्यक्ति इस पवित्र जल से आर्द्र हवा में साँस भी ले लेगा, वह निष्कलंक हो जाएगा। विश्वास किया जाता है कि गंगा के दिव्य शरीर के स्पर्श मात्र से हर व्यक्ति पवित्र हो जाता है। भारतीय देवकथा में सर्वाधिक रंगीन कहानियाँ हैं उन परिस्थितियों के बारे में जिनमें गंगा स्वर्गलोक से उतरकर पृथ्वी पर आई थीं।

एक समय कुछ राक्षस थे जो ब्राह्मण ऋषि-मुनियों को तंग करते थे और उनके भजन-पूजा में बाधा डाला करते थे। जब उनका पीछा किया जाता था तो वे समुद्र में छिप जाते थे, मगर रात में फिर आकर सताया करते थे। एक बार ऋषियों ने ऋषि अगस्त्य से प्रार्थना की कि वे उनको राक्षसी प्रलोभन की यातना से मुक्त करें। उनकी सहायता के उद्देश्य से अगस्त्य ऋषि राक्षसों समेत समुद्र को पी गए। इस प्रकार उन राक्षसों का अंत हो गया किंतु पृथ्वी जल से शून्य हो गई। तब मनुष्यों ने एक और ऋषि भगीरथ से प्रार्थना की कि वे सूखे की विपदा से उन्हें छुटकारा दिलाएँ। इतना बड़ा वरदान पाने के योग्य बनने के लिए भगीरथ ने तपस्या करने में एक हजार वर्ष बिता दिए और फिर ब्रह्मा के पास गए और उनसे प्रार्थना की कि वे स्वर्गलोक की नदी गंगा को- जो आकाश की नक्षत्र धाराओं में से एक थी- पृथ्वी पर उतार दें। भगीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने यथाशक्ति प्रयत्न करने का वचन दिया और कहा कि वे इस मामले में शिव से सहायता माँगेंगे। उन्होंने समझाया कि अगर स्वर्गलोक की वह महान नदी अपने पूरे वेग और समस्त जल के भार के साथ पृथ्वी पर गिरी तो भूकंप आ जाएँगे और उसके फलस्वरूप बहुत विध्वंस होगा। अतः किसी को उसके गिरने का आघात सहकर उसका धक्का कम करना होगा और यह काम शिव के अतिरिक्त और कोई नहीं कर सकता। भगीरथ उपवास और प्रार्थनाएँ करते रहे। समय आने पर शिव पसीजे। उन्होंने गंगा को अपनी धारा पृथ्वी पर गिराने दी और उसके आघात को कम करने के लिए उन्होंने पृथ्वी और आकाश के बीच अपना सिर रख दिया। स्वर्गलोक का जल तब उनके केशों से होकर हिमालय में बड़े सुचारु रूप से बहने लगा और वहाँ से भारतीय मैदानों में पहुँचा जहाँ वह समृद्धि, स्वर्गलोक के आशीर्वाद और पापों से मुक्ति लेकर आया।

कुछ आसान और अचूक टोटके

समय की कमी और भागदोड़ से भरी जिंदगी ने आज इंसान को हेरान परेशान कर रखा है। यहां हम जिन टोटकों यानि कि युक्तियों को दे रहें हैं वे ऐसी ही अद्भुत और कारगर युक्तियां हैं। ये तुलसी रामायण के प्रामाणिक और शक्ति सम्पन्न अंस हैं। जिनको सूर्योदय से पूर्व पूर्ण शांत एवं पूर्ण एकांत स्थान पर मात्र 15 मिनिट मंत्र की तरह जपने से इच्छित मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है।

- धन-समृद्धि की वृद्धि के लिये - जे सकाम नर सुनहिं जे गावहिं, सुख सम्पति नाना विधि पावहिं ।
- मुकद्दमा जीतने के लिये - पवन तनय बल पवन समाना, बुद्धि विवेक विज्ञान निधाना ।
- पुत्र प्राप्ति के लिये - प्रेम मगन कोशल्या निशिदिनि जात न जान, पुत्र सनेह बस माता बालचरित कर गान ।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

कठुआ में एमपीलैडस व सीडीएफ कार्यों की प्रगति की समीक्षा, समयबद्ध पूर्णता पर जोर

कठुआ, 16 जनवरी (हि.स.)। डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने शुक्रवार को डीसी कार्यालय परिसर में सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना एवं निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि के तहत चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा हेतु बैठक की। बैठक में जिले में लंबित 68 सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना कार्यों की स्थिति की गहन समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने संबंधित कार्यान्वयन एजेंसियों को निर्देश दिए कि सभी स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर, स्वीकृत मानकों और गुणवत्ता के अनुसार शीघ्र पूरा किया जाए। उन्होंने केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह के निर्देशों को दोहराते हुए कहा कि एमपीलैड व सीडीएफ के तहत स्वीकृत सभी कार्यों का समयबद्ध समापन सुनिश्चित किया जाना चाहिए ताकि विकास का लाभ समय पर जनता तक पहुंचे। उपायुक्त ने कहा कि समय पर कार्यों की पूर्णता से टिकाऊ सार्वजनिक परिसंपत्तियों का निर्माण होगा जो जनसुविधा और जनकल्याण के लिए आवश्यक है। बैठक में सीडीएफ के अंतर्गत चल रहे कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई जिसमें संबंधित अधिकारियों ने चल रही परियोजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने लंबित स्वीकृतियों के त्वरित निपटारे, निधियों के प्रभावी उपयोग तथा फील्ड स्तर पर कड़ी निगरानी के निर्देश दिए। साथ ही चेतावनी दी कि अनावश्यक देरी को गंभीरता से लिया जाएगा और नियमित प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। बैठक में मुख्य योजना अधिकारी कठुआ रंजीत ठाकुर, जिला अधिकारी तथा कार्यान्वयन एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र के बीएमसी चुनावों में भाजपा की ऐतिहासिक जीत का जश्न

जम्मू, 16 जनवरी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जम्मू-कश्मीर के विभिन्न स्थानों पर बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों में अपनी शानदार जीत का जश्न मनाया। इस अवसर को पार्टी के विकास, सुशासन और राष्ट्रवाद के दृष्टिकोण में जनता के बढ़ते विश्वास का प्रतीक बताया गया। बिश्ना मेंशन का नेतृत्व जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सत शर्मा सीए ने किया। उनके साथ लोकसभा सांसद जुगल किशोर शर्मा, भाजपा के पूर्व अध्यक्ष रविंदर रैना, विधायक डॉ. राजीव भगत और कई वरिष्ठ पार्टी नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद थे। पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए सत शर्मा सीए ने बीएमसी की जीत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और भाजपा के विकासोन्मुखी शासन के लिए एक निर्णायक जनादेश बताया। उन्होंने कहा कि एशिया के सबसे बड़े नगर निगम में जीत केवल चुनावी सफलता नहीं है बल्कि भाजपा की पारदर्शी और जन-केंद्रित नीतियों का स्पष्ट समर्थन है। उन्होंने आगे कहा कि परिणाम दर्शाते हैं कि शहरी मतदाताओं सहित पूरे भारत के नागरिकों को भाजपा की कुशल प्रशासन, बुनियादी ढांचे के विकास और भ्रष्टाचार मुक्त शासन प्रदान करने की क्षमता पर पूरा भरोसा है।

केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू में स्वामी विवेकानंद जयंती पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

जम्मू, 16 जनवरी (हि.स.)। स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू (सीयूजे) के डीन स्टूडेंट वेलफेयर कार्यालय एवं स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज ने विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी (जम्मू शाखा) के सहयोग से ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह ऑडिटोरियम में एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वामी विवेकानंद के विचारों को समकालीन चुनौतियों के संदर्भ में समझना और युवाओं को चरित्र निर्माण व निस्वार्थ सेवा के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. ऋतु बख्शी ने स्वागत भाषण देते हुए स्वामी विवेकानंद के जीवन, दर्शन और मूल्यों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात विवेकानंद केंद्र जम्मू शाखा के नगर प्रमुख अनुराग शर्मा ने फ्रविवेकानंद केंद्र का कार्य और दृष्टिफ्र विषय पर प्रस्तुति देते हुए स्वामी विवेकानंद के प्रैक्टिकल वेदांत को जीवन में उतारने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि 'मन निर्माण ही राष्ट्र निर्माण है' और युवाओं की भूमिका संगठित सामाजिक सेवा के माध्यम से राष्ट्र को सशक्त बनाने में अहम है। मुख्य वक्ता एसीबी जम्मू-कश्मीर के निदेशक शक्ति कुमार पाठक (आईपीएस) ने स्वामी विवेकानंद का युवाओं के लिए संदेश- चुनौतियां और दायित्वफ्र विषय पर प्रेरक संबोधन दिया। उन्होंने युवा शक्ति को भारत की आत्मा बताते हुए धर्म, राष्ट्र और अनुशासन के महत्व को रेखांकित किया। कुलपति प्रो. संजीव जैन ने विशेष टिप्पणी में जिज्ञासा, जिम्मेदारी और 'मैन-मेकिंग' की अवधारणा पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में विवेकानंद केंद्र के सह नगर प्रमुख डॉ. राकेश रैना ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

आंगनवाड़ी भर्ती से विस्थापित कश्मीरी पंडित महिलाओं का बहिष्कार गंभीर चिंता का विषय- जी.एल. रैना

जम्मु, 16 जनवरी (हि.स.)। विस्थापित कश्मीरी पंडित समुदाय की योग्य और पात्र उम्मीदवारों को आंगनवाड़ी कार्यकर्ता (संगिनी) और सहायिका (सहायिका) पदों के लिए आवेदन करने से वंचित किए जाने से गहरी चिंता और दुख का माहौल है। जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के पूर्व विधान परिषद सदस्य और भाजपा प्रवक्ता गिरधारी लाल रैना ने केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी को लिखे पत्र में इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया है।

रैना ने मंत्री का ध्यान जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की भर्ती के लिए संबंधित अधिकारियों द्वारा हाल ही में जारी की गई अधिसूचनाओं की ओर आकर्षित करते हुए इस बात पर गहरी निराशा व्यक्त की कि समाज के एक अत्यंत योग्य और पात्र वर्ग को बिना किसी गलती के भर्ती प्रक्रिया से प्रभावी रूप से बाहर कर दिया गया है।

इस वंचित वर्ग में विस्थापित कश्मीरी पंडित समुदाय की महिलाएं शामिल हैं जिन्हें 1989-90 की दुखद घटनाओं के दौरान कश्मीर घाटी में उनके घरों से जबरन बेदखल कर दिया गया था। ये परिवार जम्मू-कश्मीर के राहत आयुक्त कार्यालय में कश्मीरी प्रवासी के रूप में विधिवत पंजीकृत हैं और वर्तमान में जम्मू और देश के अन्य हिस्सों में परिस्थितियों के तहत रह रहे हैं।

भाजपा द्वारा ग्राम स्वराज पर कार्यशाला का आयोजन विकसित भारत के संकल्प के साथ

डोडा, 16 जनवरी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) डोडा ने आज ग्राम स्वराज अधिनियम पर एक व्यापक जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जिसका उद्देश्य पार्टी पदाधिकारियों को अधिनियम की परिकल्पना, उद्देश्यों और ग्रामीण भारत पर इसके परिवर्तनकारी प्रभाव के बारे में जागरूक करना था।

कार्यशाला में जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों, मोर्चा नेताओं, निर्वाचित प्रतिनिधियों और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यशाला को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए जम्मू-कश्मीर के भाजपा राज्य सचिव पवन शर्मा ने कहा कि ग्राम स्वराज अधिनियम गांवों को सशक्त बनाकर और जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करके विकसित भारत के निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह अधिनियम समावेशी पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त शासन के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। विकसित भारत के संकल्प के साथ, वीबी जी राम जी गांवों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर, सामाजिक रूप से सशक्त और प्रशासनिक रूप से मजबूत बनाकर महात्मा गांधीजी के ग्राम स्वराज के सपने को साकार करेगा।

17 जनवरी 2026 को प्रमुख सड़कों पर ट्रैफिक प्लान और एडवाइजरी जारी

जम्मू, 16 जनवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर ट्रैफिक पुलिस मुख्यालय ने 17 जनवरी 2026 के लिए जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग सहित अन्य प्रमुख सड़कों पर ट्रैफिक प्लान और एडवाइजरी जारी की है। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार 15 जनवरी शाम 4 बजे से 16 जनवरी शाम 4 बजे तक एनएच-44 पर बलिनाला देवल नशरी-दलवास और मारोग से किश्तवाड़ी पाथर के बीच सिंगल लेन ट्रैफिक तथा दो भारी वाहनों के खराब होने के कारण वाहनों की आवाजाही धीमी रही।

दिन में ही यात्रियों और हल्के वाहन चालकों को सलाह दी गई है कि वे जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर केवल दिन के समय ही सफर करें। रात में यात्रा से बचें क्योंकि रामबन से बनिहाल के बीच पहाड़ों से पत्थर गिरने भूस्खलन और सड़क निर्माण कार्य के कारण परेशानी हो सकती है। सभी चालकों से लेन अनुशासन का पालन करने की अपील की गई है।

अनंतनाग में कुख्यात ड्रग तस्कर का वाहन जब्त

श्रीनगर, 16 जनवरी (हि.स.)। ड्रग तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में जम्मू और कश्मीर पुलिस ने अनंतनाग में कई नशीले पदार्थों के मामलों में शामिल एक कुख्यात ड्रग तस्कर की संपत्ति जब्त कर ली है। बयान के अनुसार बिजबेहरा पुलिस स्टेशन ने गधानजीपोरा बिजबेहरा निवासी हबीबुल्लाह डार के पुत्र बशीर अहमद डार के स्वामित्व वाली टाटा सफारी वाहन (पंजीकरण संख्या JK03C-9999) जब्त की है।

आरोपी एक कुख्यात ड्रग तस्कर है जो बार-बार ड्रग तस्करी की गतिविधियों में शामिल रहा है। उसे हाल ही में बिजबेहरा पुलिस स्टेशन में दर्ज एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21 के तहत एफआईआर संख्या 241/2025 के संबंध में गिरफ्तार किया गया था।

यह संपत्ति जब्ती जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा ड्रग नेटवर्क को खत्म करने और अपराधियों की वित्तीय संपत्तियों पर प्रहार करने के लिए चलाए जा रहे निरंतर अभियान का हिस्सा है। इन उपायों का उद्देश्य यह कड़ा संदेश देना है कि मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त लोगों को सख्त कानूनी परिणामों का सामना करना पड़ेगा जिसमें उनकी अवैध रूप से अर्जित संपत्ति की ज़ब्ती भी शामिल है।

स्वच्छतंत्र 2.0 के तहत बिलावर में स्वच्छता एवं जागरूकता रैली का आयोजन

कठुआ/बिलावर 16 जनवरी (हि.स.)। नगर पालिका समिति बिलावर द्वारा स्वच्छतंत्र 2.0 के तहत गणतंत्र दिवस से पूर्व आयोजित विशेष अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को स्वच्छता एवं जन-जागरूकता रैली निकाली गई। इस अभियान का उद्देश्य स्वच्छता को बढ़ावा देना और नशा मुक्त समाज के संकल्प को सशक्त करना रहा।

रैली का आयोजन एडीसी बिलावर की अध्यक्षता में किया गया। रैली की शुरुआत एडीसी कार्यालय बिलावर से हुई और इसका समापन तहसीलदार कार्यालय बिलावर में किया गया। समापन स्थल पर प्रतिभागियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई तथा स्वच्छता, नागरिक दायित्व और नशा उन्मूलन के प्रति जन-जागरूकता फैलाई गई। रैली का नेतृत्व विनय खोसला अतिरिक्त उपायुक्त बिलावर ने किया। इस अवसर पर सुरिंदर सिंह तहसीलदार बिलावर, वरिंदर पाल सिंह कार्यकारी अधिकारी नगर पालिका समिति बिलावर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। विभिन्न विभागों की भागीदारी ने आपसी समन्वय और अभियान के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाया। सभा को संबोधित करते हुए एडीसी बिलावर ने स्वच्छता, नशा मुक्त भारत अभियान और राष्ट्र निर्माण में जनभागीदारी के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने जानकारी दी कि वंदे मातरम् का आयोजन 19 जनवरी से 26 जनवरी तक किया जाएगा जिसके तहत बिलावर उप-मंडल में देशभक्ति और जन-जागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। एडीसी ने कहा कि स्वच्छता अभियान, नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम और देशभक्ति गतिविधियां मिलकर विकसित भारत मिशन के लक्ष्य को साकार करने में सहायक होंगी जिससे एक स्वस्थ, अनुशासित और सामाजिक रूप से जिम्मेदार समाज का निर्माण होगा।

द्वितीय अखिल भारतीय पुलिस कबड्डी क्लस्टर 2025-26 की तैयारियों की समीक्षा

जम्मू, 16 जनवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के अतिरिक्त महानिदेशक सशस्त्र बल आनंद जैन आईपीएस ने द्वितीय अखिल भारतीय पुलिस कबड्डी क्लस्टर 2025-26 की तैयारियों की समीक्षा और अंतिम रूप देने के लिए सशस्त्र पुलिस मुख्यालय में एक प्रारंभिक बैठक की अध्यक्षता की राष्ट्रीय स्तर का यह खेल आयोजन जो 7 से 12 मार्च 2026 तक जम्मू में आयोजित होने वाला है इसमें कबड्डी, जिम्नास्टिक, फेंसिंग और खो-खो में पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए प्रतियोगिताएं होंगी। आयोजन के सफल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी अंतर-विभागीय समन्वय, रसद संबंधी तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था, आवास, परिवहन, चिकित्सा सुविधाओं और समग्र आयोजन प्रबंधन पर जोर दिया गया। विचार-विमर्श के दौरान जैन ने जम्मू-कश्मीर पुलिस की संगठनात्मक क्षमताओं को प्रदर्शित करने के महत्व पर बल दिया साथ ही देश भर के खिलाड़ियों के लिए एक सुरक्षित, अनुशासित और प्रतिस्पर्धी वातावरण सुनिश्चित करने पर भी बल दिया। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा का सख्ती से पालन करने और आयोजन समितियों के साथ घनिष्ठ समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया ताकि कार्यक्रम का सुचारू रूप से संचालन सुनिश्चित हो सके कार्यक्रम स्थल की तैयारियों, समारोहिक व्यवस्थाओं, आतिथ्य सत्कार, खेल अवसंरचना, संचार प्रणालियों और आपातकालीन प्रतिक्रिया पर विस्तृत चर्चा की गई।

ढाबे से अवैध शराब की बोतलें की जब्त

उधमपुर, 16 जनवरी (हि.स.)। रेंबल पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले पुलिस पोस्ट टिकरी की पुलिस टीम ने मंथल के एक ढाबे से अवैध शराब की कुल 12 बोतलें जब्त की हैं। स्थानीय ढाबे (राजू नॉन-वेज ढाबा) पर अवैध शराब की बिक्री के संबंध में विश्वसनीय सूचना मिलने पर पीपी टिकरी की पुलिस टीम ने मौके पर छापा मारा। ढाबे के संचालक गणेश कुमार उर्फ राजू पुत्र करतार चंद निवासी जंगल गली ऊधमपुर को अवैध शराब बेचकर अवैध लाभ कमाने के आरोप में हिरासत में लिया गया है।

जनता दरबार में लोगों की समस्याएं सुनी, नेकां सरकार को बताया बुनियादी सेवाओं में विफल

जम्मू, 16 जनवरी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं जम्मू वेस्ट से विधायक अरविंद गुप्ता ने शुक्रवार को जम्मू जिले की जनता की समस्याओं को सुनने के लिए जनता दरबार का आयोजन किया। इस जनता दरबार में जिला भाजपा अध्यक्ष राजेश गुप्ता के साथ पार्टी नेता रीमा पाधा, रविकांत और सुनीत रैना भी मौजूद रहे, जिन्होंने लोगों की शिकायतें दर्ज कीं। जनता दरबार में जम्मू वेस्ट विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और उन्होंने सीधे विधायक के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। लोगों द्वारा प्रमुख रूप से अनियमित और लंबी बिजली कटौती, खराब स्वच्छता व्यवस्था, अनियमित जल आपूर्ति और बुनियादी नागरिक सुविधाओं की कमी का मुद्दा उठाया गया। कई नागरिकों ने आरोप लगाया कि बार-बार शिकायतों के बावजूद उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है।इस अवसर पर अरविंद गुप्ता ने उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कठोर सर्दियों के दौरान भी सरकार जनता को मूलभूत सुविधाएं देने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि जम्मू संभाग में लगातार और बिना सूचना के बिजली कटौती से छात्र, बुजुर्ग और मरीज सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। स्वच्छता व्यवस्था पर भी विधायक ने नाराजगी जताते हुए कहा कि कई इलाकों में कचरा उठान अनियमित है और सफाई व्यवस्था बदहाल है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है। अरविंद गुप्ता ने जनता को आश्वासन दिया कि वे सभी शिकायतों को संबंधित विभागों के समक्ष उच्च स्तर पर उठाएंगे और त्वरित समाधान के लिए दबाव बनाएंगे। उन्होंने स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे लगातार लोगों के संपर्क में रहें और बिजली, पानी व सफाई से जुड़ी समस्याओं के समाधान में सहयोग करें। जनता दरबार के समापन पर विधायक ने कहा कि इस तरह के जन संवाद कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे

कांग्रेस की समीक्षा बैठक में जन आंदोलनों की प्रगति पर मंथन

जम्मू, 16 जनवरी (हि.स.)। कांग्रेस पार्टी ने आज एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित कर अपने जनसंपर्क अभियानों, मनरेगा बचाओ संग्राम और हमारी रियासत, हमारा हक अभियान, की प्रगति और प्रभाव का आकलन किया।

बैठक में लगातार हो रही बिजली कटौती, बेरोजगारी और स्थानीय समस्याओं को लेकर बढ़ते जन आक्रोश पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। बैठक की अध्यक्षता पीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष रमण भल्ला ने की, जबकि अध्यक्षता पूर्व मंत्री एवं डीसीसी जम्मू (शहरी) अध्यक्ष योगेश साहनी ने की। बैठक में पूर्व मंत्री मुला राम, जी.एम. सरूरी, गुरबचन कुमारी राणा, ठाकुर मनमोहन सिंह सहित वरिष्ठ पार्टी नेता, ब्लॉक अध्यक्ष और जमीनी कार्यकर्ता शामिल हुए।

बैठक को संबोधित करते हुए रमण भल्ला ने कहा कि मनरेगा बचाओ संग्राम केवल एक राजनीतिक अभियान नहीं, बल्कि लाखों ग्रामीण परिवारों के आर्थिक अस्तित्व की लड़ाई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार ने मजदूरी भुगतान में देरी, काम के अवसर घटाकर और जटिल डिजिटल प्रक्रियाओं के जरिए इस योजना को कमजोर किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि हर पात्र परिवार को उसका हक दिलाने के लिए सतर्क रहें।

पूर्व मंत्री मूला राम ने स्थानीय दौरों के दौरान सामने आई समस्याओं—खराब बुनियादी ढांचा, कल्याणकारी योजनाओं में देरी, युवाओं के लिए रोजगार की कमी और नागरिक सुविधाओं के अभाव—पर प्रकाश डाला और कहा कि इन मुद्दों को व्यवस्थित रूप से दर्ज कर प्रशासन के समक्ष उठाया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता करते हुए योगेश साहनी ने बिगड़ती बिजली व्यवस्था पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि अनियमित और लंबी बिजली कटौती से आम लोग, व्यापारी, छात्र और औद्योगिक इकाइयां बुरी तरह प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि महंगे बिजली बिलों के बावजूद निर्बाध आपूर्ति न मिलना प्रशासनिक विफलता को दर्शाता है। पूर्व मंत्री जी.एम. सरूरी ने कहा कि फ्रहमारी रियासत, हमारा हकफ्र अभियान जम्मू-कश्मीर के लोगों की लोकतांत्रिक अधिकारों और जवाबदेह शासन की सामूहिक मांग की आवाज है। वहीं, गुरबचन कुमारी राणा और ठाकुर मनमोहन सिंह ने कार्यकर्ताओं से शांतिपूर्ण आंदोलनों, घर-घर संपर्क और जनजागरूकता अभियान तेज करने का आह्वान किया। बैठक में तय किया गया कि कांग्रेस जनता के मुद्दों को लेकर संघर्ष जारी रखेगी और सरकार पर दबाव बनाएगी।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
MECHANICAL IRRIGATION DIVISION, AKHNOOR/NOWSHERA
Tele/Fax :01924-253998/
Notice Inviting Tender
e-NIT No.: - MID/AN/92 Dated: -15/01/2026

For and on behalf of The Hon'ble Lt. Governor of Jammu and Kashmir (UT), Executive Engineer, Mechanical Irrigation Division Akhnoor/Nowshera invites e-tenders from Approved contractors/ Registered firms / Workshop owners having experience in Electromechanical Works for following jobs: -

S.No.	Name of the work	Quantity	Earnest Money (Rs. in Lacs)	Cost of tender document	Period of Completion	Class of contractor
01.	Repair to 63 KVA Voltage stabilizer at LIS Lower Manda and 20 HP 3 phase induction motor,4 cusec discharge HC pump of unit no.01 & Repair to 250 mm dia Foot valves with other allied works at LIS Lehrian.	01 Job	02% of the quoted value	Rs.200	10 Days	Registered /Reputed firms /Workshop owners having experience in Electromechanical Works

1. The bidding documents can be seen and downloaded from the website http://www.jktenders.gov.in from 15/01/2026 (05:00PM) to 23/01/2026 (02:00 PM). Bidding document contains instruction for bidders, bill of quantities, general terms and condition and other details.
a) The Bids shall be uploaded in electronic format on the website http://www.jktenders.gov.in from 17/01/2026 (10:00 AM) to 23/01/2026 (02:00 PM).
b) The complete bidding process will be through electronic mode.
c) A pre-bid meeting will be held on 16/01/2026 (11:30 AM) in the Office of the Executive Engineer, Mechanical Irrigation Division Akhnoor / Nowshera to address any queries from the firms.
d) Cover-I of the bids uploaded on the website up to due date and time will be opened on 24/01/2026 (1:00PM) in the Office of the Executive Engineer, Mechanical Irrigation Division Akhnoor / Nowshera in the presence of the bidders who wish to attend. If the office happens to be closed on the date of opening of the bids as specified, the bids will be opened on the next working day at the same time and venue.
e) Furnishing of hard copies of bids immediately after submission of e-Tenders is dispensed with. The same should be
obtained only from the bidders who is declared as L1 after opening of Financial Bids
f) The cost of the tenders should be collected by introducing e-challan by simply uploading a copy of necessary treasury challan/Receipt.
2. Similarly, insisting on actual call deposit receipt, a copy of same duly pledged to the concerned department should be uploaded by the tenderers. However, before allotting the work or issuing the supply order the original CDR should be obtained and kept on record.
3. Other details can be seen in the bidding document.
4. The guidelines regarding submission of bid in electronic mode can be downloaded from website http://www.jktenders.gov.in
5. The bidders shall go through the tender specific instructions sheet also.
No: - MID/AN/1561-65 Dated: - 15-01-2026

-Sd/-
Executive Engineer
Mechanical Irrigation Division
Akhnoor/Nowshera

DIP/J-10243/25
Dtd:16-1-2026

Government of Union Territory of Jammu & Kashmir
OFFICE OF THE CHILD DEVELOPMENT PROJECT OFFICER POSHAN PANCHARI
(Near Bus Stand Panchari, Ground Floor J&K Bank Panchari:-182125)

OFFICE OF THE CHILD DEVELOPMENT PROJECT OFFICER
POSHAN PANCHARI

Subject:-Extension in the last date for receipt of application forms for the posts of Sanginis (Anganwadi Workers) and Sahayikas (Anganwadi Helpers)advertised vide advertisement Notice No. 02 of 2025 dated 29.12.2025 of this office.

EXTENSION NOTICE

Owing to the poor response of application forms for the posts of Sanginis (Anganwadi Workers) and Sahayikas (Anganwadi Helpers) in various Anganwadi Centres of Poshan Project Panchari advertised vide advertisement Notice No:-02 of 2025 dated 29.12.2025,the last date for receipt of application forms is hereby extended upto 27.01.2026.
All other conditions shall remain same.
No.CDPOP/Poshan/ 689 /2025-26 Dated. 15.01.2026

Sd/=
Child Dev. Project Officer
Poshan Panchari
(Member Secretary Selection Committee)

DIP/J-10283/25
Dtd:16-1-2026

संपादकीय

बुनियादी ढांचे की कमी से शिक्षा प्रभावित

केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश की सरकारें जम्मू-कश्मीर में शिक्षा क्षेत्र में भारी निवेश का दावा करती हैं, लेकिन यह हैरानी की बात है कि जैसे ही क्षेत्र में तापमान गिरता है और कई स्थानों पर कड़ाके की ठंड पड़ती है, संबंधित विभाग को बार-बार अनियोजित छुट्टियों की घोषणा करनी पड़ती है। इस वर्ष भी ऐसा ही हुआ, जब भीषण ठंड और खराब मौसम की स्थिति को देखते हुए स्कूल शिक्षा निदेशालय जम्मू (डीएसईजे) ने समर ज़ोन के सभी सरकारी और निजी स्कूलों की चल रही शीतकालीन छुट्टियों को 17 जनवरी तक बढ़ा दिया।

यह एक सप्ताह के भीतर दूसरा ऐसा आदेश था, क्योंकि जम्मू क्षेत्र में भीषण ठंड का प्रकोप जारी है, जो कई मामलों में कश्मीर के अनेक इलाकों से भी अधिक है। मौजूदा हालात को देखते हुए संभावना है कि यदि मौसम की मार जारी रही, तो प्राधिकरण छुट्टियों को और बढ़ा सकते हैं।

क्षेत्र के कई स्कूलों की स्थिति को देखते हुए, जो कठोर सर्दियों के दौरान छात्रों और कर्मचारियों की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, डीएसईजे का यह फैसला उचित प्रतीत होता है। हालांकि, नीति निर्धारकों को इस बात पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि पाठ्यक्रम की समय पर समाप्ति और कई मामलों में विषयों की पुनरावृत्ति कैसे होगी, क्योंकि परीक्षाएं नजदीक हैं।

शिक्षा क्षेत्र की नीतियां और योजनाएं बनाने वालों को उन देशों से सीख लेनी चाहिए, जहां वर्ष भर कठोर जलवायु रहती है, जैसे कनाडा, यूरोप के कुछ हिस्से और रूस। इन क्षेत्रों में खराब मौसम के बावजूद पढ़ाई बाधित नहीं होती, क्योंकि वहां ऐसा मजबूत बुनियादी ढांचा विकसित किया गया है, जो सबसे कठिन मौसम में भी छात्रों और शिक्षकों की आवश्यकताओं को पूरा करता है।

जम्मू-कश्मीर में भी इसी तरह का दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है, जहां ऐसे स्कूल भवन बनाए जाएं जिनमें हीटिंग और एयर-कंडीशनिंग की समुचित व्यवस्था हो, ताकि स्कूल जलवायु परिस्थितियों पर निर्भर न रहें। हर साल एक महीने से अधिक की ग्रीष्मकालीन छुट्टियां भी छात्रों के समय की बर्बादी के समान हैं, जिन्हें अध्ययन कौशल को निखारने और ज्ञान अर्जन में लगाया जा सकता है।

एक ऐसे केंद्र शासित प्रदेश में, जहां सरकार पहले ही छुट्टियों को लेकर काफी उदार है, मौसम की वजह से दी जाने वाली ये अतिरिक्त छुट्टियां कतई उचित नहीं हैं।

अब समय आ गया है कि स्कूलों में हीटिंग और कूलिंग दोनों प्रकार की बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि ग्रीष्म और शीतकालीन अवकाश की परंपरा समाप्त हो और साल भर अधिक समय तक शिक्षा प्रदान की जा सके। इससे कार्यदिवसों की संख्या बढ़ेगी और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा।

हालांकि यह मुद्दा इतना सरल नहीं है, क्योंकि इसके साथ कई व्यावहारिक चुनौतियां जुड़ी हैं, जैसे वित्तीय प्राथमिकताएं, ऊर्जा लागत, भौगोलिक कठिनाइयां और सामाजिक-आर्थिक वास्तविकताएं। फिर भी, अब समय आ गया है कि इस लक्ष्य को निर्धारित कर समन्वय और प्रतिबद्धता के साथ काम शुरू किया जाए, क्योंकि यही दृष्टिकोण भविष्य में इस तरह के परिवर्तन को संभव बना सकता है।

वैश्विक दबावों से परे भारत की आर्थिक उड़ान

दिसंबर 2025 में ही माल निर्यात 38.51 बिलियन डॉलर रहा, जोकि इससे एक वर्ष पूर्व 2024 के दिसंबर के आंकड़े से बेहतर है। इस बीच हमें इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में तेज उछाल देखने को मिला, जहां यह 3.57 बिलियन डॉलर से बढ़कर 4.17 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। फार्मा सेक्टर ने अपनी विश्वसनीयता बनाए रखते हुए स्थिर वृद्धि दर्ज की है। इंजीनियरिंग गुड्स और समुद्री उत्पादों ने भी निरंतर मांग के दम पर मजबूती दिखाई देती है। कहना होगा ऐसे सकारात?मक वातावरण में खाद्य प्रसंस्करण और कृषि आधारित निर्यात भी पीछे नहीं रहे।

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अमेरिका के लाख दबाव के बाद भी भारत की आर्थिक ग्रोथ होना बताता है कि हम सही दिशा में हैं। वस्तुत- ये दुनिया के उन तमाम देशों के लिए भी मूक संदेश है कि कभी एक या सीमित देशों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए, लाख असहमति के बाद भी दुनिया में एक साथ अनेक मित्र बनाए जा सकते हैं, संतुलित मित्रता, बहुआयामी साझेदारी और आत्मनिर्भरता ही भविष्य का रास्ता है, जिसका आज भारत सशक?त उदाहरण है। क्योंकि केंद्र की मोदी सरकार के नेतृत्व में भारतीय अर्थव्यवस्था ने यह साफ कर दिया है कि वह किसी एक देश या बाजार पर निर्भर नहीं है। इसलिए ही अमेरिका सहित वैश्विक शक्तियों के दबावों के बावजूद भारत ने निर्यात, उत्पादन और सेवाओं के क्षेत्र में आज मजबूती दिखाई है।

वाणिज्य मंत्रालय के ताजा आंकड़े इस आत्मविश्वास की ठोस तस्वीर पेश करते हैं। अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच भारत का कुल निर्यात, जिसमें माल और सेवाएं दोनों शामिल हैं, 634.26 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचा। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 607.93 बिलियन डॉलर के मुकाबले 4.33 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि है। इसी तरह से अप्रैल से दिसंबर 2025 के दौरान माल निर्यात 330.29 बिलियन डॉलर तक पहुंचा, यह भी 322.41 बिलियन डॉलर पिछले वर्ष की तुलना से 2.44 प्रतिशत अधिक है। विशेष रूप से गैर पेट्रोलियम निर्यात का 288.16 बिलियन डॉलर तक पहुंचना और 5.51 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करना यह दर्शाता है कि भारत ऊर्जा आयात पर निर्भरता घटाते हुए विविध क्षेत्रों में मजबूती बना रहा है।

दिसंबर 2025 में ही माल निर्यात 38.51 बिलियन डॉलर रहा, जोकि इससे एक वर्ष पूर्व 2024 के दिसंबर के आंकड़े से बेहतर है। इस बीच हमें इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में तेज उछाल देखने को मिला, जहां यह 3.57 बिलियन डॉलर से बढ़कर 4.17 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। फार्मा सेक्टर ने अपनी विश्वसनीयता बनाए रखते हुए स्थिर वृद्धि दर्ज की है। इंजीनियरिंग गुड्स और समुद्री उत्पादों ने भी निरंतर मांग के दम पर मजबूती दिखाई देती है। कहना होगा ऐसे सकारात?मक वातावरण में खाद्य प्रसंस्करण और कृषि आधारित निर्यात भी पीछे नहीं रहे। मीट, डेयरी और पोल्ट्री उत्पादों में आई वृद्धि दर्शाती है कि ग्रामीण भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का अहम हिस्सा बन चुका है।

देखने में आ रहा है कि जहां माल निर्यात उत्पादन क्षमता को दर्शाता है, वहीं सेवाओं का निर्यात भारत की बौद्धिक और तकनीकी शक्ति का प्रमाण है। अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच सेवाओं का अनुमानित निर्यात 6.46 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 303.97 बिलियन डॉलर रहा है। आईटी, सॉफ्टवेयर और बिजनेस सर्विसेज ने यह सुनिश्चित किया कि वैश्विक मंदी के संकेतों के बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। हालांकि दिसंबर 2025 में कुल निर्यात में हल्की गिरावट जरूर दर्ज की गई, किंतु सेवाओं का निर्यात 35.50 बिलियन डॉलर पर स्थिर रहा। यही वह क्षेत्र है जिसने ट्रेड बैलेंस को संभालने में निर्णायक भूमिका निभाई। ऐसे में 151.74 बिलियन डॉलर का ट्रेड सरप्लस यह दिखाता है कि भारत इस वक?त आयात आधारित अर्थव्यवस्था नहीं रही है, यह निर्यात प्रेरित विकास मॉडल की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

यहां समझने के लिए यह भी है कि भारत की निर्यात सफलता का एक बड़ा कारण उसका बदला हुआ वैश्विक दृष्टिकोण है। वह आज किसी एक देश पर निर्भर नहीं रह कर सभी के साथ अपने मित्रवत संबंध बनाने में सफल दिखता है। तमाम असहमतियों के बीच भी अमेरिका के साथ मजबूत व्यापारिक रिश्ते उसके बने ही हुए हैं। साथ ही एशिया, यूरोप, मध्य पूर्व और अफ्रीका में भी अपने बाजारों का विस्तार किया है। चीन को निर्यात में दर्ज की गई तेज वृद्धि यह दर्शाती है कि यहां भी राजनीतिक असहमति के बावजूद आर्थिक संवाद और व्यापारिक संभावनाएं खुली रखी जा सकती हैं।

यूएई, मलेशिया, स्पेन और हॉन्गकॉन्ग जैसे बाजारों में भारतीय उत्पादों की बढ़ती मांग इस बात का प्रमाण है कि एक दुनिया, अनेक मित्र की नीति व्यावहारिक और लाभकारी भी है। यह रणनीति वैश्विक अस्थिरता के दौर में भारत को जोखिमों से बचाती है और नए अवसरों के द्वार खोलती है। हालांकि यह सच भी है कि आयात में वृद्धि होने के बाद भी मर्चेंडाइज ट्रेड डेफिसिट एक चुनौती बना हुआ है। किंतु इसे कमजोरी के रूप में देखने के बजाय संक्रमणकालीन चरण के रूप में समझना अधिक उचित होगा। व?योंकि इंफ्रास्ट्रक्चर, मशीनरी और कच्चे माल का आयात भविष्य की उत्पादन क्षमता को मजबूत करने का आधार है। दूसरी ओर सोना और कुछ गैर जरूरी आयातों में आई कमी यह बताती है कि नीतिगत स्तर पर संतुलन साधने की कोशिशें जारी हैं।

कहना यही होगा कि मोदी सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाएं, मुक्त व्यापार समझौते और लॉजिस्टिक्स सुधार आने वाले वर्षों में भारत के निर्यात को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाले हैं। लक्ष्य पूरी तरह स्पष्ट है कि भारत को एक सफल वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस हब बनाया जाना है, जिसके लिए जमीन पर अनेक कार्य होते हुए आज दिखाई दे रहे हैं।

वस्?तुत- आज किसान, कारीगर, स्टार्टअप संस्थापक और आईटी पेशेवर, हर वर्ग यह महसूस कर रहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था सही दिशा में बढ़ रही है। आज विश?व स्?तर के तमाम दबावों के बीच भी सकारात्मक ग्रोथ बनाए रखना इस बात का प्रमाण है कि भारत ने आत्मनिर्भरता और वैश्विक सहयोग के बीच संतुलन साधने का अपने में हुनर पा लिया है। ऐसे में साल 2025 का यह निर्यात प्रदर्शन उस भविष्य की झलक है जहां भारत आत्मविश्वास के साथ कह सकता है कि हम अब आत?मनिर्भर हैं, हम दुनिया के साथ हैं और अपनी शर्तों पर आगे बढ़ रहे हैं। यही नया भारत है और यही उसकी आर्थिक उड़ान की आज की सफलतम कहानी है।

यमुना को बचाने के लिए जरूरी हैं छोटे प्रयास

छोटे प्रयास, बड़ा असर: दिल्ली के वसंत विहार इलाके के शिवा कैंप में सेंटर फ़ॉर अरबन एंड रेज़ीलिएंस एक्सिलेंस एनजीओ बहुत प्रभावी है। क्योरने यहाँ डिसेंट्रलाइज़्डवेस्टवाटर ट्रीटमेंट सिस्टम लगाया है। यह सिस्टम इंटरसेप्टिक टैंक और बायो-रेमेडिएशन तकनीक पर काम करता है।बस्ती से निकलने वाला सीवेज पहले इंटरसेप्टिक टैंक में जमा होता है, जहाँ भारी गाद और ठोस अपशिष्ट बैठ जाते हैं। इसके बाद यह पानी एक बायो-फिल्टर यूनिट से गुजरता है, जिसमें प्राकृतिक बैक्टीरिया, पौधे और बायो मीडिया गंदगी को तोड़कर साफ़ कर देते हैं। अंत में पानी इतना साफ़ हो जाता है कि उसका उपयोग सिंचाई, ग्राउंडवॉटर रिचार्ज या सामुदायिक उपयोग में किया जा सकता है।

-प्रदीप श्रीवास्तव

दिल्ली की जीवनरेखा मानी जाने वाली यमुना नदी को साफ़ करने के लिए बीते तीन दशकों में हज़ारों करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। केंद्र और राज्य सरकारों की संयुक्त कोशिशों, विदेशी सहायता और न्यायिक हस्तक्षेप के बावजूद यमुना की स्थिति आज भी चिंताजनक बनी हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकारें अभी तक यमुना को साफ़ करने की मूलभूत रणनीति को ही नहीं समझ पाई हैं। नतीजा यह है कि यमुना, जो कभी दिल्ली की प्यास बुझाने वाली नदी थी, आज एक मरी हुई नदी बनती जा रही है। जबकि, बहुत छोटे स्तर पर एक एनजीओ द्वारा किया गया प्रयास रंग लाने लगा है। क्योर एनजीओ ने बहुत छोटे स्तर पर मलिन बस्तियों से निकलने वाले सीवेज को साफ करना शुरू कर दिया है, जो यमुना में जाकर मिलता है। विशेषज्ञों की मानें तो अगर इस मॉडल को दिल्ली की सभी मलिन बस्तियों में लागू कर दिया जाए, तो यमुना को साफ करने में काफी हद तक कामयाबी पाई जा सकती है।

दिल्ली की सबसे बड़ी समस्या सीवेज: यमुना नदी की कुल लंबाई लगभग 1,376 किलोमीटर है लेकिन उसमें मिलने वाले कुल प्रदूषण का 70त्न हिस्सा केवल दिल्ली से आता है। दिल्ली के भीतर बहने वाला लगभग 22 किलोमीटर लंबा हिस्सा यमुना का सबसे ज़्यादा प्रदूषित भाग है।

दिल्ली जल बोर्ड और सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की रिपोर्ट (2023) के अनुसार, दिल्ली 720 मिलियन गैलन प्रतिदिन सीवेज उत्पन्न करती है। लेकिन इसके शोधन की क्षमता लगभग 597 मिलियन गैलन प्रतिदिन ही है। वास्तविकता यह है कि चालू स्थिति में सिर्फ़ 514 मिलियन गैलन प्रतिदिन सीवेज ट्रीट होता है। यानी लगभग 200 मिलियन गैलन प्रतिदिन से अधिक सीवेज बिना शुद्धिकरण के सीधे यमुना में चला जाता है। दिल्ली में कुल 35 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट हैं, लेकिन इनमें से 50% अपनी क्षमता से कम काम कर रहे हैं।

दिल्ली अर्बन शेल्टर इंप्रूवमेंट बोर्ड के अनुसार, दिल्ली में 1,800 से अधिक अनधिकृत कॉलोनियाँ और लगभग 750 मलिन बस्तियाँ हैं, जिनसे निकलने वाला सीवेज केंद्रीकृत सीवर नेटवर्क से जुड़ा ही नहीं है। इसका मतलब है कि बड़ी योजनाएँ और एसटीपी लगाने के बावजूद, जब तक इन बस्तियों और कॉलोनियों को ध्यान में रखकर विकेंद्रीकृत समाधान नहीं अपनाया जाएगा, तब तक यमुना को साफ़ करना संभव नहीं है।

छोटे प्रयास, बड़ा असर: दिल्ली के वसंत विहार इलाके के शिवा कैंप में सेंटर फ़ॉर अरबन एंड रेज़ीलिएंस एक्सिलेंस एनजीओ बहुत प्रभावी है। क्योरने यहाँ डिसेंट्रलाइज़्डवेस्टवाटर ट्रीटमेंट सिस्टम लगाया है। यह सिस्टम इंटरसेप्टिक टैंक और बायो-रेमेडिएशन तकनीक पर काम करता है।बस्ती से निकलने वाला सीवेज पहले इंटरसेप्टिक टैंक में जमा होता है, जहाँ भारी गाद और ठोस अपशिष्ट बैठ जाते हैं। इसके बाद यह पानी एक बायो-फिल्टर यूनिट से गुजरता है, जिसमें प्राकृतिक बैक्टीरिया, पौधे और बायो मीडिया गंदगी को तोड़कर साफ़ कर देते हैं। अंत में पानी इतना साफ़ हो जाता है कि उसका उपयोग सिंचाई, ग्राउंडवॉटर रिचार्ज या सामुदायिक उपयोग में किया जा सकता है।

इस मॉडल के फायदे: सीवेज को यमुना तक पहुँचने से पहले ही रोक दिया जाता है। महंगे एसटीपी और बड़े ड्रेनेज नेटवर्क पर निर्भरता कम होती है।स्थानीय स्तर पर रोज़गार और सामुदायिक भागीदारी बढ़ती है। बस्ती में स्वास्थ्य और स्वच्छता की स्थिति सुधरती है।

दिल्ली के वसंत विहार इलाका स्थित शिवा कैंप, एक छोटी मलिन बस्ती है, जहाँ करीब 105 घर और लगभग 735 लोग रहते हैं। यहां काम कर रहे एक एनजीओ क्योर ने एक इंटरसेप्टिक टैंक लगाया, जो बस्ती से निकलने वाले सीवेज को साफ़ करता है।

सिर्फ छह महीनों में इस मॉडल ने बस्ती की तस्वीर बदल दी। अब यहाँ मच्छर और गंदगी जनित बीमारियाँ कम हो गईं। लोगों का स्वास्थ्य बेहतर हुआ और आय में सुधार हुआ। अब बस्ती के लोग खुद मानते हैं कि बीमारी पर होने वाला खर्च कम हुआ है।

यहाँ के राजू प्रधान, जो अघोषित तौर पर इस बस्ती के कर्ताधर्ता हैं, कहते हैं कि यहाँ गंदगी इतनी होती थी कि पहले यहाँ कूड़े वाली गाड़ी नहीं आती थी, लेकिन बाद में जब यहाँ एनजीओ वालों ने सफ़ाई की अलख जगाई, तब यहाँ पर इतनी सफ़ाई हो गई कि अब कूड़े वालों को यहाँ आने में भी कोई दिक्कत नहीं होती है। वे कहते हैं कि यहाँ हर चीज में तीन माह में ही फ़र्क दिखने लगा।

वहीं, यहाँ के एक निवासी बृजमणि कहती हैं कि यहाँ गंदगी के कारण लोगों के सिर में दर्द की शिकायत रहती थी, जबकि कई लोग माइग्रेन और त्वचा से संबंधित बीमारियों से पीड़ित थे, लेकिन यहाँ सफ़ाई व्यवस्था ठीक होने के कारण सब अच्छा हो गया और अब परेशानियाँ भी काफी कम हो गई है।

जबकि, आरती कहती हैं कि पहले मच्छर और मक्खियों की भरमार रहती थी लेकिन अब सफ़ाई होने के यहाँ गंदगी बहुत कम हो गई है। टायलेट की भी व्यवस्था काफी अच्छी है।

मुस्कान कहती हैं कि अब रिश्तेदार भी यहाँ की सफ़ाई की तारीफ़ करते हैं। पहले रिश्तेदारों को बुलाने में शर्म महसूस होती थी, क्योंकि यहाँ काफी गंदगी रहती थी, लेकिन अब यहाँ पर कोई भी आ जाए, हमें कोई दिक्कत नहीं होती है।

असल में देखा जाए तो यमुना की सफाई काफी हद तक छोटे-छोटे प्रयासों में छिपी है। दिल्ली अर्बन शेल्टरइंप्रूवमेंट बोर्ड और डीडीए के अनुसार, दिल्ली में करीब 750 मलिन बस्तियाँ हैं, जिनमें 3.5 लाख परिवार और 30 लाख से अधिक लोग रहते हैं। यदि शिवा कैंप जैसा मॉडल हर बस्ती में लागू किया जाए तो यमुना में गिरने वाला अनट्रीटेड सीवेज कम हो सकता है। जल प्रदूषण में भारी गिरावट आ सकती है और यमुना को पुनर्जीवित करने का सपना साकार हो सकता है।

क्यों ज़रूरी है विकेंद्रीकृत मॉडल: दिल्ली की 750 मलिन बस्तियों में से अधिकांश केंद्रीकृत सीवर नेटवर्क से जुड़ ही नहीं सकतीं क्योंकि वे नदी किनारे, रेलवे लाइन और सरकारी भूमि पर बसी हैं। इन बस्तियों का सीवेज सीधे नालोंके ज़रिए यमुना में चला जाता है। अगर हर बस्ती में क्योर जैसा डिसेंट्रलाइज़्ड वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट सिस्टम लगाया जाए, तो प्रतिदिन लगभग 100-120 MGD सीवेज यमुना में जाने से रोका जा सकता है। यह बड़े प्रयासों की तुलना में सस्ता, तेज़ और स्थानीय समाधान है।

यमुना को बचाना केवल तकनीकी चुनौती नहीं बल्कि प्रशासनिक इच्छाशक्ति और सामाजिक भागीदारी का मामला है। अरबों रुपये खर्च करने के बावजूद सरकारी योजनाएँ नाकाम रहीं, जबकि एक छोटे से एनजीओ का प्रयोग दिखाता है कि बदलाव संभव है। अब सरकारों को चाहिए कि वह मलिन बस्तियों और अनधिकृत कॉलोनियों में विकेंद्रीकृत सीवेज ट्रीटमेंट मॉडल लागू करे। एनजीओ को शामिल करते हुए जनभागीदारी सुनिश्चित करे। सीवेज डेटा और ग्राउंड-लेवल मॉनिटरिंग को पारदर्शी बनाया जाए। यमुना खुद को पुनर्जीवित कर सकती है, बस ज़रूरत है ईमानदार प्रयास की और यह कोविड लॉकडाउन ने साबित कर दिया। अब ज़रूरत है कि हम प्रदूषण के स्रोतों को रोकें और छोटे-छोटे प्रयासों को बड़े पैमाने पर लागू करें।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

इस्लामिक साम्राज्यवाद के विरुद्ध उठ खड़ी हुई सभ्यता

-प्रणय विक्रम सिंह

ईरान में आज जो घट रहा है, वह किसी एक मुल्क की सियासी हलचल नहीं, यह इतिहास की छाती पर उठती हुई एक सभ्यतागत बगावत है। यह उस पूरी दुनिया के लिए चेतावनी है, जिसे यह समझा दिया गया था कि मजहबी सत्ता ढांचे हमेशा के लिए समाजों की आत्मा पर कब्जा कर सकते हैं। नहीं, जब किसी कौम की तारीख, तहजीब और इंसानी आजादी को कुचला जाता है, तो इन्कलाब लाजिमी हो जाता है।

ईरान आज इस इन्कलाब की अग्रिम चौकी है। दशकों तक जिस इस्लामवादी सत्ता-व्यवस्था ने शरीयत, डर और वैचारिक निगरानी से जिंदगियों को जकड़े रखा, वही आज अपने ही अवाम की जागी हुई चेतना से घिर चुकी है। यह बगावत हमें यह याद दिलाती है कि किसी भी क़ौम का डीएनए मिटाया नहीं जा सकता। ईरान का डीएनए पर्शिया है। साइरस की सहिष्णुता, जरतुस्त्र की नैतिक ज्वाला और अवेस्ता की रूह हर कोने में समाई है। अरब से आई इस्लामवादी सत्ता-रचना ने इस पहचान पर परदे डाले, प्रतीकों को बदला, स्मृतियों को हाशिए पर धकेला मगर उसे बुझा नहीं सकी। आज वही भूली-बिसरी स्मृति फिर दहक रही है। अफगानिस्तान से लेकर मिस्र और यूरोप तक सवाल गूंज रहा है कि क्या मजहबी पहचान सभ्यतागत पहचान से बड़ी हो सकती है?

इस्लामवादी साम्राज्यवाद ने पर्शिया को ईरान बनाया और इस बदलाव में केवल नाम नहीं बदला, एक सभ्यता को परदे के पीछे धकेल दिया गया। पर्शिया वह धरती थी जहां नैतिकता, सहिष्णुता और मानवीय गरिमा राज्य-दृष्टि का आधार थीं। सत्ता-रूप में उभरी मजहबी विचारधारा ने इस प्राचीन पहचान को पूर्व-इस्लामी कहकर संदिग्ध बनाया। भाषा बदली, प्रतीक बदले, इतिहास की किताबों से स्मृति छीनी गई। आज ईरान की सड़कों पर उठती आग उसी दबाई गई पर्शियन आत्मा की पुकार है कि हम वही हैं जो थे। हमारी रूह को नाम बदल कर मिटाया नहीं जा सकता।दरअसल, इस्लामी साम्राज्यवाद की बर्बरता उसकी आस्था, उसके सत्ता-रूप में दिखाई देती है। इतिहास गवाह है कि जब मजहब तलवार बनकर सभ्यताओं पर टूटा, तब नगर उजड़े, पुस्तकालय जले, मंदिर-प्रतिमाएं तोड़ी गईं, भाषाएं हाशिये पर डाली गईं और स्त्रियों की देह को नियंत्रण का मैदान बनाया गया। इनके द्वारा विविधता को कुफ्र, स्मृति को जाहिलियत और असहमति को बगावत कहकर कुचला गया। इस साम्रायवादी विस्तार ने संवाद नहीं, दहशत रची, आस्था नहीं, आज्ञाकारिता मांगी और न्याय नहीं, अधीनता थोपी। इतिहास गवाह है कि मजहबी अंधड़ ने इंसान से उसकी जड़ें, उसकी भाषा, उसकी कला और उसकी गरिमा छीनने की कोशिश की और वहीं से प्रतिरोध की नैतिक जरूरत जन्मी।

यहां यह समझना जरूरी है कि इस्लामवाद यानी मजहब का सत्ता-रूप अक्सर सभ्यता से टकराता है। उसकी भाषा द्वैत रचती है काफ़िर और मोमिन, दारुल-इस्लाम और दारुल-हरब। इस दृष्टि में स्थानीय परंपराएं, स्त्री की स्वतंत्रता, कला, स्मृति और विविधता संदेह के घेरे में आ जाती हैं। जहां यह वैचारिक कठोरता सत्ता बनती है, वहां इंसान अपनी जड़ों से काटा जाता है। यह धर्म नहीं विचारधारा का कब्जा है। इसीलिए जब ईरान की बेटियां सरे-आम बुर्क़ा जलाती हैं, तो वे कपड़ा नहीं डर और नियंत्रण को आग लगाती हैं।

वस्तुत- यह केवल स्त्री-अधिकार का एलान नहीं, यह उस देह पर थोपे गए मजहबी पहरे के खिलाफ खुली बगावत है। तेहरान की यह लपटें काबुल, कराची और गाजा तक जमीरों को झकझोर रही हैं। और जब शेर और अग्नि वाला पुराना फारसी झंडा फिर से उठता है, तो वह अरब-केंद्रित इस्लामवादी पहचान के विरुद्ध सभ्यता की चुनौती बन जाता है। वह तुर्की, मध्य एशिया और उत्तर अफ्रीका तक फैले समाजों को उनकी-उनकी भूली हुई सभ्यताओं की याद दिला रहा है।

यह जंग किसी आस्था से नहीं इस्लामवादी अधिनायकवाद से है। यह ऐलान है कि मजहब निजी है, मगर सभ्यता जनता की। और जब कोई मजहबी सत्ता सभ्यता को निगलने बढ़े, तो रहम नहीं बगावत उसका जवाब होती है। ऐसे में आज ईरान केवल एक देश नहीं, एक दर्पण बन चुका है और दुनिया उसके सामने खड़ी दर्शक। इस दर्पण में हर समाज अपनी शक्ल देख सकता है, कहीं दबाई गई स्मृतियां, कहीं कुचली गई अस्मिताएं, कहीं थोपे गए मजहबी पहरे। सवाल यह नहीं कि ईरान में क्या हो रहा है! सवाल यह है कि दुनिया उस प्रतिबिंब को देखकर क्या करेगी? नजर चुराएगी या सच स्वीकार करेगी। क्योंकि जब कोई सभ्यता अपने भीतर झांक लेती है, तब इतिहास दर्शक नहीं रहता, भागीदार बन जाता है। ईरान की यह आग इसलिए महज तेहरान की नहीं यह वैश्विक जमीर की दहकती मशाल है।

(लेखक, स्तम्भकार हैं।)

जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब को मिली पहली जीत, एचआईएल गवर्निंग काउंसिल को 3-1 से हराया

एजेंसी

रांची। जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब ने हीरो हॉकी इंडिया लीग 2026 (पुरुष वर्ग) में अपनी पहली जीत दर्ज करते हुए एचआईएल गवर्निंग काउंसिल (जीसी) को 3-1 से पराजित किया। यह मुकाबला रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेला गया, जहां सूरमा ने पूरे मैच में बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। सूरमा की जीत में कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अहम भूमिका रही, जिन्होंने दो गोल दागे। उन्होंने 15वें और 38वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को सफलतापूर्वक गोल में बदला। इसके अलावा गुरजंत सिंह ने 27वें मिनट में शानदार फील्ड गोल कर टीम की बढ़त मजबूत की। एचआईएल जीसी की ओर से केन रसेल ने 44वें मिनट में एकमात्र गोल किया, जिससे वह लीग में संयुक्त रूप से शीर्ष गोलस्कोरर बने हुए हैं। मैच की शुरुआत से ही सूरमा ने आक्रामक रुख अपनाया। पहले क्वार्टर के अंतिम क्षणों में मिले पेनल्टी कॉर्नर को हरमनप्रीत सिंह ने गोल में बदलकर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में एचआईएल जीसी ने वापसी की कोशिश की, लेकिन उनके प्रयास सफल नहीं हो सके। इसी बीच गुरजंत सिंह ने तेज रफ्तार और बेहतरीन ड्रिब्लिंग का प्रदर्शन करते हुए सर्कल में घुसकर गोल किया और स्कोर 2-0 कर दिया।

जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद ने 25 खिलाड़ियों को दी कलर बेल्ट

मुरादाबाद। बुद्धि विहार स्थित महिलाल पब्लिक स्कूल में गुरुवार को जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद द्वारा ताइक्वांडो कलर बेल्ट वितरण किया गया। जिसमें ताइक्वांडो एकेडमी के लगभग 25 खिलाड़ियों को कलर बेल्ट दी गई । कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के प्रबंधक डॉ संजीव लाल, प्रधानाचार्य सोनिका सक्सेना द्वारा किया गया। जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव शाहवेज़ अली ने सभी खिलाड़ियों को कलर बेल्ट देकर सम्मानित किया । येलो बेल्ट आराध्या, अनमोल कुमार, केशव गुप्ता, सार्थक गौर, उज्जवल कुमार, अक्षिमा, मिस्टी शर्मा, पुण्य चौधरी, वंश शर्मा, अनंत, आदित्य राज आदि को देकर सम्मानित किया। ब्लू बेल्ट ऋषभ व किया सिंह को देकर सम्मानित किया। रेड बेल्ट आयुष सूर्यांश व रेड वन बेल्ट निलय चौधरी को देकर सम्मानित किया।

राष्ट्रीय स्कूली ट्रैक साइक्लिंग में झारखंड के खिलाड़ियों ने जीता दो स्वर्ण सहित तीन पदक

रांची। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची की मेजबानी में आयोजित 69 वीं राष्ट्रीय स्कूली ट्रैक साइक्लिंग प्रतियोगिता का खेलगांव स्थित सिद्धो-कान्होस वेलोड्रोम स्टेडियम में शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजंत्री ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सभी खिलाड़ी स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत करें और भविष्य में राज्य और देश का नाम रौशन करें। उन्होंने कहा कि पिछले छह वर्षों में झारखंड में खेल आधारभूत संरचना का तेजी से विकास हुआ है और जिला प्रशासन खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग प्रदान देता रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास ही नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का भी सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी, रांची कुमार रजत, झारखंड ओलंपिक संघ के महासचिव मधुकांत पाठक, एथलेटिक संघ के एसके पांडेय, जिला खेल पदाधिकारी शिवेंद्र सिंह, सुरेश कुमार, शैलेंद्र पाठक, सुरजीत सिंह सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। सभी अतिथियों का स्वागत राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी सह आयोजन सचिव धीरसेन ए सोरेंग किया।

एकदिवसीय श्रृंखला का आखिरी मैच 18 जनवरी को इंदौर में, भारत-न्यूजीलैंड के खिलाड़ी पहुंचे

इंदौर। मां अहिल्या की नगरी कहलाने वाला मध्य प्रदेश का इंदौर महानगर एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के रंग में रंग गया है। 18 जनवरी को होने वाले भारत और न्यूजीलैंड के बीच इस एकदिवसीय श्रृंखला के आखिरी मैच को लेकर दोनों टीमें शहर पहुंच गयी हैं। इसके साथ वनडे मुकाबले को लेकर फैन्स में उत्साह व रोमांच चरम पर पहुंच गया है। जैसे ही टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, शुभमन गिल, केएल राहुल, मोहम्मद सिराज और मुख्य कोच गौतम गंभीर एयरपोर्ट पर नजर आए, वहां मौजूद फैंस की धड़कनें तेज हो गईं। दरअसल, भारत-न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही तीन मैचों की एकदिवसीय क्रिकेट श्रृंखला का तीसरा और अंतिम मैच 18 जनवरी को इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके लिए दोनों टीमों के खिलाड़ी इंदौर पहुंच गए हैं। खिलाड़ियों के इंदौर आगमन को लेकर एयरपोर्ट से लेकर होटल तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। दोनों टीमों के लिए अलग-अलग बसों की व्यवस्था की गई, ताकि आवाजाही सुचारु रहे। पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था इतनी कड़ी की थी कि हर आने-जाने वाले पर नजर रखी जा रही थी। भारत और न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों को अलग-अलग होटल में ठहराया गया है। कुछ खिलाड़ी विजय नगर स्थित होटल मैरियट में तो कुछ को होटल रेडीसन में रूकवाया गया है। दोनों होटलों के बाहर भी खिलाड़ियों के लिए कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था की गई है। पूर्व में विदेशी महिला खिलाड़ियों के साथ हुई घटना के बाद से पुलिस कोई भी चूक नहीं करना चाहती है। इसके चलते अधिकारियों ने स्वयं अपने हाथ में सुरक्षा की कमान ली है।

भारतीय फुटबॉलर मनीषा कल्याण पेरू की चैंपियन क्लब अलियांजा लीमा फेमेनिनो से जुड़ीं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला फुटबॉल टीम की मिडफील्डर मनीषा कल्याण ने अपने करियर में एक और बड़ा कदम बढ़ाते हुए पेरू की चार बार की चैंपियन क्लब अलियांजा लीमा फेमेनिनो के साथ करार किया है। क्लब ने आधिकारिक बयान जारी कर 24 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी के साइन होने की पुष्टि की।अलियांजा लीमा फेमेनिनो ने अपने बयान में कहा, 'अलियांजा लीमा की महिला टीम भारतीय मिडफील्डर मनीषा कल्याण के साथ करार की घोषणा करती है। वह टीम के आक्रमण को मजबूती देंगी। मनीषा ग्रीस की क्लब पीएओके एफसी से यहां आई हैं, जहां उन्होंने यूरोपीय फुटबॉल के सर्वोच्च स्तर पर प्रतिस्पर्धा की है।' अलियांजा लीमा फेमेनिनो मनीषा कल्याण के करियर की तीसरी विदेशी क्लब होगी। भारत

में सेतु एफसी और गोकुलम केरल एफसी के लिए खेलने के बाद मनीषा ने वर्ष 2022 में साइप्रस की क्लब अपोलोन लेडीज एफसी का रुख किया था। वह यूईएफए विमेंस चैंपियंस लीग में खेलने वाली पहली भारतीय महिला फुटबॉलर बनी थीं। अपोलोन लेडीज के लिए उन्होंने 36 मैचों में 14 गोल किए।इसके बाद 2024 में मनीषा ग्रीस की क्लब पीएओके एफसी से जुड़ीं, जहां उन्होंने 23 मुकाबलों में हिस्सा लिया और आठ गोल दागे। यूरोपीय क्लब फुटबॉल में उनके निरंतर प्रभावशाली प्रदर्शन ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई।अलियांजा लीमा फेमेनिनो से जुड़ने के बाद मनीषा कल्याण ने कहा, 'मैं यहां आकर बेहद खुश हूं। मैंने इस टीम को फॉलो किया है और मुझे उनकी खेलने की अंदाज बहुत पसंद है। इस नई चुनौती को लेकर मैं काफी उत्साहित हूं। मेरा फोकस हमेशा 100 प्रतिशत देने, हर मैच जीतने और टीम की उसके लक्ष्य हासिल करने में मदद करने पर रहेगा।' मनीषा के इस करार को भारतीय महिला फुटबॉल के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, जो देश की खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर नए अवसर खोलता है।

नेपाल ने टी-20 विश्व कप के लिए पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर इयान हार्वी को बनाया गेंदबाजी सलाहकार

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल क्रिकेट संघ ने 2026 के टी-20 विश्व कप की तैयारियों के लिए ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज इयान हार्वी को पुरुष टीम का गेंदबाजी सलाहकार नियुक्त किया है। यह टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका की मेजबानी में खेला जाएगा। अपनी गेंदबाजी में विविधता और गति में बदलाव के लिए मशहूर 53 वर्षीय इयान हार्वी नेपाल की कोचिंग टीम में शामिल होंगे। वह वर्तमान मुख्य कोच स्टुअर्ट लॉ के नेतृत्व में काम करेंगे। इयान हार्वी का अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट में लंबा अनुभव रहा है।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 73 एकदिवसीय मैच खेले, जिसमें 85 विकेट लिए और 715 रन बनाए। वह 2003 में दक्षिण अफ्रीका में खेले गए आईसीसी वनडे विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का भी हिस्सा रहे थे। खेल से संन्यास लेने के बाद हार्वी ने कोचिंग में भी अपनी पहचान बनाई और इंग्लिश काउंटी क्लब ग्लूस्टरशायर के कोच के रूप में सेवाएं दीं। नेपाल की टीम 2026 टी-20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत 8 फरवरी को इंग्लैंड के खिलाफ करेगी। यह मुकाबला मुंबई के ऐतिहासिक वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा।

पीडब्ल्यूएल 2026 का भव्य आगाज, चैंपियनशिप ट्रॉफी का हुआ अनावरण

एजेंसी

नोएडा। प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) 2026 का आधिकारिक उद्घाटन बुधवार को नोएडा इंडोर स्टेडियम में चैंपियनशिप ट्रॉफी के अनावरण के साथ किया गया। सात वर्षों के लंबे अंतराल के बाद लीग की वापसी और इसके पांचवें सत्र की शुरुआत को लेकर यह समारोह खास रहा। उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन पंजाब रॉयल्स और यूपी डॉमिनेटर्स के बीच पहले मुकाबले से ठीक पहले किया गया, जिसने नए पीडब्ल्यूएल युग की औपचारिक शुरुआत का संकेत दिया। इस अवसर पर चैंपियनशिप ट्रॉफी का अनावरण कुश्ती महासंघ भारत (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष और मुख्य अतिथि बृज भूषण शरण सिंह की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह, पीडब्ल्यूएल के चेयरमैन और प्रमोटर दयान फारूकी तथा लीग के सीईओ अखिल गुप्ता भी मौजूद रहे। डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने पीडब्ल्यूएल के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इस लीग ने हमेशा भारतीय कुश्ती को मजबूत मंच प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूएल 2026 के लिए चुनी गई प्रतिभाएं इस में लगातार पदक जीते हैं और इस परंपरा को बनाए रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा बेहद जरूरी है। उनके अनुसार, पीडब्ल्यूएल भारतीय पहलवानों को दुनिया के शीर्ष पहलवानों के साथ मुकाबला करने का

बात का प्रमाण हैं कि देश में कुश्ती का स्तर बीते वर्षों में काफी ऊपर गया है। मुख्य अतिथि बृज भूषण शरण सिंह ने कहा कि पीडब्ल्यूएल जैसी पेशेवर लीग का सबसे बड़ा लाभ पहलवानों को मिलता है। उन्होंने बताया कि कुश्ती ऐसा खेल है जिसमें भारत ने ओलंपिक अवसर देती है। पीडब्ल्यूएल चेयरमैन दयान फारूकी ने इसे लीग के लिए नए अध्याय की शुरुआत बताते हुए कहा कि व्यापक पुनर्गठन के बाद इस बार फोकस एक पेशेवर, पारदर्शी और एथलीट-केंद्रित ढांचा तैयार करने पर रहा है।

अंडर-19 विश्व कप 2026: भारत का विजयी आगाज, अमेरिका को डकवर्थ लुइस नियम से 6 विकेट से हराया

एजेंसी

बुलावायो (जिम्बाब्वे)। आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2026 का उद्घाटन मुकाबला भारत और अमेरिका (यूएसए) के बीच खेला गया, जिसमें भारतीय टीम ने डीएलएस पद्धति (डकवर्थ लुइस) के तहत यूएसए को छह विकेट से मात देकर टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की।

यह मुकाबला बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर आयोजित हुआ। भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, जिसे भारतीय गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन से सही साबित किया। यूएसए की टीम 35.2 ओवर में 107 रन पर सिमट गई। अमेरिकी टीम की ओर से नितीश सुदिनी ने सर्वाधिक 36 रन बनाए। इसके अलावा अदनीत झाम्ब (18), साहिल गर्ग और अर्जुन महेश (16-16) ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। कप्तान उत्कर्ष श्रीवास्तव और ऋषभ शिम्पी खाता नहीं खोल पाए।

भारत की गेंदबाजी में हेनिल पटेल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट झटके और विपक्षी बल्लेबाजी की रीढ़ तोड़ दी। दीपेश

देवेंद्रन, आरएस अंबरीश, खिलान पटेल और वैभव सूर्यवंशी को एक-एक सफलता मिली।108 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय पारी के दौरान बारिश ने खलल डाला। चार ओवर में भारत ने 21 रन पर एक विकेट गंवाया था, तभी मैच रोकना पड़ा। बारिश के बाद मुकाबले को 37 ओवर का कर दिया गया।

पुनः खेल शुरू होने पर भारत ने कुछ जल्दी विकेट गंवाए। वैभव सूर्यवंशी (2), वेदांत त्रिवेदी (2), कप्तान आयुष म्हात्रे (19) और विहान मल्होत्रा (18) पवेलियन लौट गए, जिससे स्कोर दबाव में आ गया। इसके बाद अभिज्ञान कुंडू और कनिष्क चौहान ने जिम्मेदारी संभाली और संयमित बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत के करीब पहुंचाया। अभिज्ञान कुंडू अर्धशतक से चूक गए, लेकिन उन्होंने 41 गेंदों में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 42 रन बनाकर भारत को जीत दिलाई। कनिष्क चौहान ने 10 रन का योगदान दिया।भारत ने 17.2 ओवर में चार विकेट खोकर संशोधित लक्ष्य हासिल कर लिया और मुकाबला डीएलएस नियम के तहत छह विकेट से अपने नाम किया।

कोपा डेल रे: रेसिंग सैंटेंडर को 2-0 से हराकर बार्सिलोना क्वार्टरफाइनल में पहुंचा

एजेंसी

कैंटाब्रिया। बार्सिलोना ने कोपा डेल रे में शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे डिवीजन की शीर्ष टीम रेसिंग सैंटेंडर को 2-0 से मात दी और क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। मुकाबले में दूसरे हाफ में फेरान टोरेस और युवा स्टार लामिन यामल के गोल ने बार्सिलोना को कड़ी चुनौती के बाद जीत दिलाई एल सार्दिनेरो स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में दोनों टीमों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली। मैच का पहला गोल 66वें मिनट में आया, जब फेरान टोरेस ने ऑफसाइड ट्रैप को चकमा देते हुए बेहतरीन टाइमिंग के साथ थ्रू बॉल पर दौड़ लगाई, गोलकीपर जोकिन एज़्किएटा को छकाकर गेंद खाली नेट में डाल दी। स्टॉपेज टाइम में रेसिंग सैंटेंडर के मानेक्स लोज़ानो ने बेहद आसान मौका गंवा दिया। इसके तुरंत बाद बार्सिलोना ने तेज काउंटर अटैक से मुकाबला पूरी तरह अपने नाम कर लिया। राफिन्हा के लो क्रॉस पर लामिन यामल ने शानदार फिनिश करते हुए दूसरा गोल दागा और टीम की जीत पक्की कर दी। इस जीत के साथ

बार्सिलोना क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाली टीमों की सूची में शामिल हो गया है, जिसमें एथलेटिक बिलबाओ, अलावेस, अल्बासेटे, एटलेटिको मैड्रिड, रियल बेटिस, रियल सोसिडाड और वेलेंसिया पहले से मौजूद हैं। स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन क्वार्टरफाइनल ड्रॉ सोमवार को करेगा, जबकि मुकाबले 3 से 5 फरवरी के बीच खेले जाएंगे। रियल मैड्रिड के लोअर लीग की टीम अल्बासेटे से हारने के बाद बार्सिलोना के कोच हांसी फ्लिक ने किसी भी तरह की चूक से बचने के लिए लगभग पूरी ताकत वाली टीम मैदान में उतारी। शुरुआती दौर में बार्सिलोना ने गेंद पर ज्यादा नियंत्रण रखा, लेकिन रेसिंग सैंटेंडर ने कड़ा मुकाबला दिया। पहले हाफ में दानी ओल्मो ने एक आसान मौका गंवाया, जबकि बार्सिलोना के गोलकीपर जोआन गार्सिया ने कैमार सुलेमान के शॉट पर शानदार प्रतिक्रिया देते हुए टीम को गोल खाने से बचाया। फेरान टोरेस के गोल के बाद भी मुकाबला रोमांचक बना रहा, जब एज़्किएटा ने 80वें मिनट में फर्मिन लोपेज और सब्स्टीट्यूट रॉबर्ट लेवांडोव्स्की के शॉट्स पर लगातार दो शानदार बचाव किए। मैच के अंतिम क्षणों में रेसिंग सैंटेंडर ने दो बार गोल करने का दावा किया, लेकिन दोनों ही मौकों पर ऑफसाइड के कारण गोल रद्द कर दिए गए। इसके बाद लोज़ानो के चूके हुए मौके का बार्सिलोना ने पूरा फायदा उठाया और यामल के गोल के साथ अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की कर ली।

तेलियानी के प्रिंस बने पैरा कबड्डी के सितारे, राष्ट्रीय मंच पर मीरजापुर का नाम रोशन

एजेंसी

मीरजापुर। जिगना क्षेत्र के तेलियानी गांव के लिए यह गर्व का पल है। गांव निवासी प्रिंस पांडेय ने अपने दमखम और जज्बे से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। प्रिंस का चयन मध्य प्रदेश पैरा कबड्डी टीम में हुआ है और खास बात यह है कि उन्हें राष्ट्रीय पैरा कबड्डी प्रतियोगिता के लिए टीम का उपकप्तान बनाया गया है। इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। पैरा कबड्डी ट्रायल में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रिंस ने डिफेंडर के रूप में टीम में अपनी जगह पक्की की। संभागीय और जिला स्तरीय टूर्नामेंट में लगातार बेहतरीन खेल का ही यह नतीजा है कि अब वह स्टेट पैरा कबड्डी टीम का अहम हिस्सा बन चुके हैं। प्रिंस ने बताया कि कठिन परिश्रम और आत्मविश्वास ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है।राष्ट्रीय पैरा कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 21 से 26 जनवरी तक विशाखापट्टनम (आंध्र प्रदेश) में किया जाएगा, जिसमें देश के 20 राज्यों की टीमें भाग लेंगी। मध्य प्रदेश पैरा कबड्डी टीम 19 जनवरी को विशाखापट्टनम के लिए रवाना होगी।प्रिंस की इस ऐतिहासिक

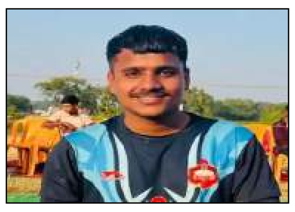

उपलब्धि पर गांव और क्षेत्र में जश्न का माहौल है। दामोदर प्रसाद पांडेय, गोपाल जी पांडेय, रवि शंकर यादव, उमेश पाठक सहित अन्य लोगों ने प्रिंस को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने गांव का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। अब सभी को उम्मीद है कि प्रिंस अपनी टीम को जीत की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।

प्रो रेसलिंग लीग 2026: ओपनिंग डे पर पंजाब रॉयल्स की जीत, यूपी डोमिनेटर्स को 5-4 से हराया

एजेंसी

नोएडा। प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) 2026 के पांचवें सीजन की शानदार शुरुआत गुरुवार रात नोएडा इंडोर स्टेडियम में हुई। उद्घाटन मुकाबले में पंजाब रॉयल्स ने रोमांचक संघर्ष में यूपी डोमिनेटर्स को 5-4 से हराकर दो अहम अंक अपने नाम किए। यह प्रतिष्ठित लीग 15 जनवरी से 1 फरवरी 2026 तक खेली जाएगी। पहले दिन कुल नौ मुकाबले खेले गए, जिसमें पंजाब रॉयल्स ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए मुकाबले पर नियंत्रण बनाए रखा। पंजाब के चंद्रमोहन को शानदार शुरुआत दिलाने के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया, जबकि यूपी डोमिनेटर्स की निशा दहिया को पंजाब की कप्तान एना गोडिनेज पर 22-4 की तकनीकी श्रेष्ठता से जीत दर्ज करने के लिए 'फाइटर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। 74 किग्रा पुरुष वर्ग में चंद्रमोहन ने आर्मेनिया के अर्मान आंद्रेयास्यान को 12-5 से

हराकर पंजाब को मजबूत शुरुआत दिलाई। 57 किग्रा महिला वर्ग में पोलैंड की रॉक्साना ज़ासीना ने अमेरिका की ब्रिजेट मैरी ड्यूटी को 13-6 से पराजित किया। इसके बाद 57 किग्रा पुरुष वर्ग में चिराग छिकारा और 76 किग्रा महिला वर्ग में प्रिया मलिक ने भी जीत दर्ज कर पंजाब की स्थिति मजबूत कर दी।

यूपी डोमिनेटर्स की दमदार वापसी: यूपी डोमिनेटर्स की ओर से मिखाइलोव वासिल (86 किग्रा पुरुष), निशा दहिया (62 किग्रा महिला) और विशाल काली रमन (65 किग्रा पुरुष) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को मुकाबले में बनाए रखा। निशा दहिया ने टूर्नामेंट के सबसे प्रभावशाली मुकाबलों में से एक में एना गोडिनेज को तकनीकी श्रेष्ठता से मात दी।

हेवीवेट में पंजाब की निर्णायक जीत

125 किग्रा वर्ग में दिनेश धनखड़ ने यूपी के जसपूरन सिंह को 3-0 से हराकर पंजाब रॉयल्स की कुल बढ़त पक्की कर दी और टीम को मुकाबले में निर्णायक बढ़त दिलाई। अंतिम मुकाबले में 53 किग्रा महिला वर्ग में यूपी की अंतिम पंघाल को पंजाब की हंसिका लांबा के वॉकओवर के कारण जीत मिली, जिससे स्कोर 5-4 रहा।

वीमेंस हंड्रेड: स्मृति मंधाना मैनचेस्टर सुपर जायंट्स से जुड़ीं, आगामी सीजन में आएंगी नजर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार ओपनर बल्लेबाज स्मृति मंधाना को आगामी वीमेंस हंड्रेड टूर्नामेंट के लिए मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने साइन कर लिया है। फ्रेंचाइजी ने इस बड़े करार की आधिकारिक घोषणा की। मंधाना के टीम से जुड़ने से मैनचेस्टर सुपर जायंट्स की बल्लेबाजी को मजबूती मिलने की उम्मीद है। स्मृति मंधाना इससे पहले 2021 से 2024 तक हंड्रेड लीग के चार सीजन खेल चुकी हैं। इस दौरान उन्होंने साउदर्न ब्रेव की ओर से 29 पारियों में 676 रन बनाए। अपनी आक्रामक लेकिन आकर्षक बल्लेबाजी के लिए पहचानी जाने वाली मंधाना लीग की सबसे सफल विदेशी खिलाड़ियों में शामिल रही हैं। अब तक वीमेंस हंड्रेड में कुल छह भारतीय खिलाड़ी हिस्सा ले चुकी हैं। इस सूची में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर, अनुभवी ऑलराउंडर

दीप्ति शर्मा, विस्फोटक ओपनर शेफाली वर्मा, आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष और मध्यक्रम की भरोसेमंद बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स शामिल हैं। स्मृति मंधाना भी इस प्रतिष्ठित सूची का अहम हिस्सा रही हैं। मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने स्मृति मंधाना के अलावा ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग को भी अपनी टीम में शामिल किया है। मेग लैनिंग इससे पहले लंदन स्पिरिट और ओवल इनविंसिबल्स का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। हंड्रेड टूर्नामेंट में खेले गए 18 मुकाबलों में लैनिंग ने 132.08 की स्ट्राइक रेट से 457 रन बनाए हैं। इन दोनों दिग्गज बल्लेबाजों के टीम में शामिल होने से मैनचेस्टर सुपर जायंट्स को आगामी वीमेंस हंड्रेड सीजन में खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

फिन एलन का तूफानी शतक, रेनेगेड्स पर जीत के साथ अगले दौर में स्कॉर्चर्स

एजेंसी

मेलबर्न। पर्थ स्कॉर्चर्स ने बिग बैश लीग (बीबीएल) 2025-26 के 36वें मुकाबले को अपने नाम किया। इस टीम ने डॉकलैंड्स स्टेडियम में आयोजित मुकाबले में मेलबर्न रेनेगेड्स के खिलाफ 50 रन से शानदार जीत दर्ज की। इस लीग में पर्थ स्कॉर्चर्स से पहले होबार्ट हरिकेंस और मेलबर्न स्टार्स अगले दौर में जगह बना चुकी हैं, जबकि एडिलेड स्ट्राइकर्स, मेलबर्न रेनेगेड्स और सिडनी थंडर्स की टीमें खिताबी रेस से बाहर हैं। ऐसे में ब्रिस्बेन हीट और सिडनी सिक्सर्स के बीच अंतिम टिकट हासिल करने का मौका है। इस मुकाबले में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पर्थ स्कॉर्चर्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 219 रन बनाए। इस टीम को मिशेल मार्श और फिन एलन की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 7.1 ओवरों में 64 रन जुटाए। मार्श 20 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद एलन ने कूपर कोनोली के साथ दूसरे विकेट के लिए 56 रन जुटाते हुए टीम को 120 के स्कोर तक पहुंचाया। कोनोली 18 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जहां से एलन ने आरोन हार्डी के साथ तीसरे विकेट के लिए 18 गेंदों में 44 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया।

यूपी वॉरियर्ज़ की पहली जीत के बाद बोलीं हरलीन देओल- 'मैंने सिर्फ टीम के लिए योगदान देने पर ध्यान दिया '

एजेंसी

मुंबई। यूपी वॉरियर्ज़ ने गुरुवार रात महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज करते हुए मुंबई इंडियंस को 11 गेंद शेष रहते हराया। इस मुकाबले में पहले गेंदबाज़ों के अनुशासित प्रदर्शन ने जीत की नींव रखी, जिन्होंने मुंबई इंडियंस को 20 ओवर में 5 विकेट पर 161 रन तक सीमित कर दिया।लक्ष्य का पीछा करते हुए यूपी वॉरियर्ज़ की जीत की सबसे बड़ी नायिका हरलीन देओल रहीं। उन्होंने 39 गेंदों में 64 रनों की संयमित और प्रभावशाली पारी खेली। हरलीन ने बेहतरीन टाइमिंग और संतुलन के साथ खासकर ऑफ साइड में आकर्षक शॉट लगाए और टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

मैच के बाद हरलीन देओल ने कहा, 'पहली जीत मिलना बहुत अच्छा लग रहा है और मैं टीम के लिए खुश हूं। पिछले मैच में भी मुझे लगा था कि मैं अच्छी बल्लेबाज़ी कर रही हूं, इसलिए तैयारी में ज्यादा कुछ बदलने की जरूरत नहीं थी। कभी-कभी उसी दिन सब कुछ सही हो

जाता है और कुछ गेंदें बाउंड्री के लिए चली जाती हैं। पहली पारी में विकेट थोड़ा मुश्किल था, लेकिन बाद में बल्लेबाज़ी आसान हो गई। मैंने बस यही सोचा कि टीम के लिए सबसे बेहतर तरीके से योगदान दूं। ' हरलीन देओल की बल्लेबाज़ी और विकास पर बात करते हुए मुख्य कोच अभिषेक नायर ने कहा, 'हरलीन के लिए हमेशा टीम पहले और खुद बाद में रहा है, और यही सोच इस टीम में भी झलकती है। मैं हमेशा उसे एक टच प्लेयर के साथ-साथ पावर हिटर के रूप में भी देखने के लिए प्रेरित करता हूं, क्योंकि हमारा उद्देश्य भारतीय खिलाड़ियों को अगले स्तर तक ले जाना है। वह इस सीजन में हरमनप्रीत कौर के बाद अर्धशतक लगाने वाली दूसरी भारतीय बल्लेबाज़ बनी हैं, और यही हम देखना चाहते थे। ' ड्रेसिंग रूम के माहौल पर अभिषेक नायर ने कहा, 'हमारी टीम की संस्कृति जीत या हार से नहीं बदलती। कुछ मुकाबलों में हमें मुश्किलों का सामना करना पड़ा है, लेकिन क्रांति गौड़ और फोएबे लिचफील्ड जैसी खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में ऊर्जा बनाए रखती हैं। नतीजों से इतर सकारात्मक माहौल बहुत जरूरी होता है। ' नेतृत्व की अहमियत पर जोर देते हुए मुख्य कोच ने आगे कहा, 'टी20 क्रिकेट में मजबूत नेतृत्व बेहद जरूरी होता है और मेग लैनिंग इस मामले में शानदार रही हैं। वह हर पहलू में सक्रिय रहती हैं, टीम की ताकत और कमजोरियों को बारीकी से समझती हैं। जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा, उनके नेतृत्व का असर और साफ दिखाई देगा। वह इस टीम की असली बॉस हैं। '

अकासा एयर के प्लेटफॉर्म पर एप्पल पे से बुकिंग का विकल्प

एजेंसी

नई दिल्ली। नवोदित विमान सेवा कंपनी अकासा एयर की वेबसाइट और मोबाइल ऐप के जरिए बुकिंग के लिए अब एप्पल पे से भी भुगतान किया जा सकेगा। एयरलाइंस ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि एप्पल पे से भुगतान का विकल्प उपलब्ध कराने वाली वह पहली भारतीय विमान सेवा कंपनी बनी गयी है। यह सुविधा देने के लिए उसने रेजरपे के साथ करार किया है। उसने बताया कि एप्पल पे पर फेस आईडी और टच आईडी के जरिये एक-टैप पर भुगतान की सुविधा है।

इस विकल्प का उपयोग कर बुकिंग में लगने वाला समय कम हो सकता है। अकासा एयर के मुख्य विपणन अधिकारी नारायण टी.वी. ने कहा, 'हमारे डिजिटल ढांचे को मजबूत बनाने की दिशा में एप्पल पे के साथ एकीकरण एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे दुनिया भर के यात्रियों को सुरक्षित और निर्बाध भुगतान का विकल्प मिलता है।

लगातार तीसरी तिमाही में बना निर्यात का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। वस्तुओं और सेवाओं को मिलाकर देश का कुल निर्यात लगातार तीसरी तिमाही में नये रिकॉर्ड स्तर पर रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों में कहा गया है कि अक्टूबर-दिसंबर 2025 के दौरान देश का कुल निर्यात किसी भी तीसरी तिमाही का नया रिकॉर्ड है। पहली और दूसरी तिमाही में भी संबंधित तिमाही के निर्यात का उच्चतम स्तर रहा था। इस प्रकार यह पूरे नौ महीने का नया रिकॉर्ड है। आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीने में अप्रैल से दिसंबर तक देश का कुल निर्यात 634.26 अरब डॉलर रहा। इसमें 4.33 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है। वहीं आयात भी 4.95 फीसदी बढ़कर 730.84 अरब डॉलर रहा। इस प्रकार, कुल व्यापार घाटा 9.21 फीसदी की वृद्धि के साथ 96.58 अरब डॉलर रहा। इसमें वस्तुओं का निर्यात 2.44 प्रतिशत बढ़कर 330.29 अरब डॉलर और सेवाओं का 6.46 प्रतिशत बढ़कर 303.97 अरब डॉलर दर्ज किया गया। वहीं, वस्तु आयात 5.90 प्रतिशत बढ़कर 578.61 अरब डॉलर और सेवा आयात 1.48 प्रतिशत बढ़कर 152.23 अरब डॉलर पर रहा। पहले नौ महीने की अवधि में अमेरिका को वस्तुओं का निर्यात 9.75 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 65.88 अरब डॉलर दर्ज किया गया। चीन को वस्तु निर्यात में 36.68 फीसदी का उछाल आया और यह 14.25 अरब डॉलर हो गया। अप्रैल से दिसंबर के दौरान, गैर-पेट्रोलियम वस्तु निर्यात 5.51 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 288.16 अरब डॉलर और आयात 9.45 प्रतिशत बढ़कर 443.18 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

चावल, गेहूं नरम; चीनी के दाम बढ़े; दालों, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव गिर गये। गेहूं में भी गिरावट रही। चीनी की कीमतों में तेजी देखी गयी जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 55 रुपये घटकर 3,759 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं 23 रुपये सस्ता हुआ और 2,862 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। आटे की कीमत भी 12 रुपये घट गयी। दाल-दलहनों में मिलाजुला रुख रहा। तुअर दाल की कीमत 29 रुपये और चना दाल की 23 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। मूंग दाल के दाम 29 रुपये घटे। मसूर दाल 25 रुपये और उड़द दाल 20 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई।विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अप्रैल वायदा 66 रिंगिट उतरकर 3,993 रिंगिट प्रति टन रह गया। वहीं, मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.59 प्रतिशत गिरकर 50.53 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में सूरजमुखी तेल की औसत कीमत 89 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। वनस्पति 66 रुपये और सरसों तेल 15 रुपये फिसल गया। पाम ऑयल छह रुपये सस्ता हुआ। मूंगफली तेल 62 रुपये और सोया तेल छह रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव 31 रुपये प्रति क्विंटल टूट गये। वहीं, चीनी आठ रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

एचडीएफसी लाइफ का शुद्ध लाभ तीसरी तिमाही में 418 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 418.2 करोड़ रुपये पर स्थिर रहा। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 421.3 करोड़ रुपये था। एचडीएफसी लाइफ ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि बीमा कंपनी की शुद्ध प्रीमियम आय आलोच्य तिमाही में बढ़कर 18,351 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 16,832 करोड़ रुपये थी। पहले साल, 'नवीनीकरण और एकल-प्रीमियम खंड में वृद्धि की वजह से कंपनी की आय बढ़ी।'' तिमाही के दौरान कुल आय बढ़कर 29,157.6 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले 16,979.3 करोड़ रुपये थी।

डाक से भेजे जाने वाले माल पर 15 जनवरी से निर्यात प्रोत्साहन योजनाएं लागू: सीबीआईसी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने भारत के ई-कॉमर्स सेक्टर को मजबूत बनाने के लिए बड़ा पॉलिसी बदलाव किया है। सीबीआईसी ने कहा कि आरओडीटीईपी और आरओएससीटीएल जैसी निर्यात प्रोत्साहन योजनाएं अब डाक के जरिए भेजे जाने वाले माल पर भी लागू होंगी। वित्त मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि इसके तहत पोस्टल रूट से भेजे जाने वाले सामानों पर भी जरूरी निर्यात प्रोत्साहन दिए जाएंगे। 15 जनवरी, 2026 से लागू होने वाला यह कदम छोटे एक्सपोर्टर्स को ग्लोबल ट्रेड नेटवर्क में शामिल करने के लिए डिजाइन किया गया है। इन प्रोत्साहनों से सूक्ष्म, लघु एवं मंझोले उद्यम (एमएसएमई) निर्यातकों विशेष रूप से छोटे शहरों और दूरदराज के क्षेत्रों के निर्यातकों की प्रतिस्पर्धा में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है और डाक निर्यात को काफी बढ़ावा मिलेगा। मंत्रालय ने कहा, ''सीबीआईसी ने 'ड्यूटी ड्रॉबैक', निर्यातित उत्पादों पर शुल्क एवं करों की छूट (आरओडीटीईपी) और राज्य एवं केंद्रीय करों तथा शुल्क की छूट (आरओएससीटीएल) योजनाओं के तहत निर्यात से संबंधित लाभों को 15 जनवरी से डाक के जरिए इलेक्ट्रॉनिक रूप में किए गए निर्यातों तक विस्तारित कर दिया है।'' 'ड्यूटी ड्रॉबैक' निर्यात को बढ़ावा देने वाली एक महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक इसके तहत निर्यात किए गए माल के निर्माण या उत्पादन में उपयोग किए गए कच्चे माल पर चुकाए गए सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क (या उनके समकक्ष कर) का पूरा या आंशिक 'रिफंड' निर्यातक को दिया जाता है। मंत्रालय ने बताया कि इस उपाय का उद्देश्य डाक माध्यमों का उपयोग करने वाले निर्यातकों के लिए समान अवसर प्रदान करना एवं सीमा पार ई-कॉमर्स के विकास के लिए एक अनुकूल तथा समावेशी परिवेश बनाना है। सीबीआईसी ने इन लाभों को क्रियान्वित करने के लिए डाक निर्यात (इलेक्ट्रॉनिक घोषणा और प्रसंस्करण) विनियम, 2022 में संशोधन को मंजूरी दे दी है। इससे निर्यातकों को डाक मार्ग से निर्यात किए गए माल के लिए 'ड्यूटी ड्रॉबैक', आरओडीटीईपी और आरओएससीटीएल लाभों का दावा करने में सक्षम बनाया जा सके। भारत में वर्तमान में सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा-7 के तहत अधिसूचित 28 विदेशी डाकघर (एफपीओ) हैं। सीबीआईसी ने डाक और 'कूरियर' माध्यमों से सीमा पार व्यापार को मजबूत करने के लिए कई उपाय किए हैं। डाक निर्यात (इलेक्ट्रॉनिक घोषणा एवं प्रसंस्करण) विनियम, 2022 डाक निर्यात के लिए निर्यात घोषणाओं के संपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक प्रसंस्करण को सक्षम बनाते हैं। इसके अलावा डाक आयात विनियम, 2025 को डाक आयात की इलेक्ट्रॉनिक प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए अधिसूचित किया गया था।

शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का आईपीओ मंगलवार को खुलेगा

एजेंसी

जयपुर। लॉजिस्टिक्स कंपनी शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) मंगलवार को खुलेगा।कंपनी ने यहां मीडिया को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस ऑफर का प्राइस बैंड 118 रुपये से 124 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के बीच तय किया गया है। एंकर इन्वेस्टर सोमवार को बिड कर सकते हैं। बिडिंग एवं ऑफर 20 जनवरी को खुलेगा और 22 जनवरी को बंद होगा। कम से कम 120 इक्विटी शेयर और उससे ज़्यादा के लिए, 120 के मल्टीपल में बिड लगानी होगी। दस रुपए फेस वैल्यू वाले इक्विटी शेयरों का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (टोटल ऑफर साइज़) कुल 19,072.69 मिलियन (1,907.27 करोड़ रुपए) का है। इसमें एक हजार करोड़ तक के नए जारी किए गए इक्विटी शेयर और 9072.69 मिलियन (907.27 करोड़ रुपए) तक के बिक्री के लिए ऑफर किए गए 10 रुपए फेस वैल्यू वाले शेयर शामिल हैं। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड, मॉर्गन स्टेनली इंडिया कंपनी प्राइवेट लिमिटेड और जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड इस ऑफरिंग के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं। नेट ऑफर' का कम से कम 75 प्रतिशत हिस्सा पात्र संस्थागत खरीदारों को आनुपातिक आधार पर आवंटन के लिए उपलब्ध होगा। कंपनी, बीआरएलएम के साथ परामर्श करके, सेबी आईसीडीआर विनियमों के अनुसार क्यूआईबी हिस्से का 60 प्रतिशत तक भाग विवेकाधीन आधार पर 'एंकर निवेशकों' को आवंटित कर सकती है। इसके अलावा, 'नेट क्यूआईबी' हिस्से का पांच प्रतिशत केवल म्यूचुअल फंडों को आनुपातिक आधार पर आवंटन के लिए उपलब्ध होगा और शेष हिस्सा म्यूचुअल फंडों सहित सभी क्यूआईबी के लिए आनुपातिक आधार पर उपलब्ध होगा।

सीजीएसटी दिल्ली ने 8.52 करोड़ रुपये के आईटीसी धोखाधड़ी मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) दिल्ली दक्षिण आयुक्त कार्यालय ने 199.90 करोड़ रुपये के फर्जी चालानों के जरिए लगभग 8.52 करोड़ रुपये के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का धोखाधड़ी से लाभ उठाने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि 12-13 जनवरी को मुख्य व्यवसाय स्थल, अन्य स्थानों और आवासों पर तलाशी लेने पर बंद/अस्तित्वहीन परिसर मिले, जहां गतिविधि न के बराबर थी। सीजीएसटी अधिनियम 2017 की धारा 70 के तहत दर्ज बयानों से पता चला कि मालिक के पिता द्वारा संचालित व्यवसाय थे और उन्होंने फर्जी आयकर दावों को स्वीकार किया। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति अर्थात् मालिक और उसके पिता इस कर चोरी के प्रत्यक्ष लाभार्थी पाए गए। यह अपराध सीजीएसटी अधिनियम,

2017 की धारा 132 के तहत दंडनीय है। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों को ड्यूटी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया और उन्हें 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वित्त मंत्रायल के मुताबिक धन के प्रवाह का पता लगाने और किसी भी अतिरिक्त लाभार्थी की पहचान करने के लिए जांच जारी है।

कोयला मंत्रालय ने डीवीसी के साथ तीन कमर्शियल कोल ब्लॉक के लिए किया समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के साथ तीन वाणिज्यिक कोयला खंडों के विकास और उत्पादन के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए है। इससे देश के ऊर्जा सुरक्षा और रोजगार लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। कोयला मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि समझौते में धुलिया नॉर्थ, मंदाकिनी बी और पीरपैंती बरहट कोयला खान का विकास और उत्पादन करना शामिल है। वाणिज्यिक कोयला खदानों की नीलामी के 13वें दौर में इन कोयला खंड़ो की नीलामी हुई थी। इन समझौतों का क्रियान्वयन कोयला क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण है। इन तीनों कोयला खंडों का अन्वेषण हो चुका है। इनकी संयुक्त उत्पादन क्षमता प्रति वर्ष 49 मिलियन टन है, जो देश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताएं पूरी करने में अहम योगदान देगा। इन

परियोजनाओं से सालाना करीब 4,621 करोड़ रुपये का राजस्व और लगभग 7,350 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश आकर्षित होगा। इससे आर्थिक गतिविधियों और औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। कोयला मंत्रालय ने कहा कि इन कोयला खंडों के विकास से ऊर्जा उपलब्धता बढ़ने के साथ ही सामाजिक-आर्थिक लाभ की संभावना है। अनुमान है कि इन तीन परियोजनाओं से लगभग 66,248 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे, जिससे कोयला उत्पादन क्षेत्रों में आजीविका सृजन और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा।

केंद्रीय बजट 2026-27 दस्तावेजों की छपाई का काम नॉर्थ ब्लॉक की प्रेस में ही होगा

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय का मुख्यालय नई सचिवालय इमारत 'कर्तव्य भवन' में स्थानांतरित हो जाने के बावजूद बजट संबंधी बेहद गोपनीय दस्तावेजों की छपाई का काम वित?त मंत्रालय के पुराने मुख्यालय नॉर्थ ब्लॉक में स्थित सरकारी प्रेस में ही होगा। सूत्रों ने दी जानकारी में बताया कि केंद्रीय बजट 2026-27 और उससे संबंधित दस्तावेजों की छपाई नॉर्थ ब्लॉक में स्थित सरकारी प्रेस में ही होगी। इसकी वजह यह है कि कर्तव्य भवन में अभी तक प्रिंटिंग प्रेस मौजूद नहीं है। वित्त मंत्री और उनकी अधिकांश टीम सितंबर, 2025 में ही नॉर्थ ब्लॉक स्थित कार्यालय से निकलकर नवनिर्मित कर्तव्य भवन में स्थानांतरित हो गई थी। इससे पहले बजट की छपाई का काम राष्ट्रपति भवन में होता था, जिसे 1950 में मिंटो रोड स्थित प्रेस में स्थानांतरित किया गया था। इसके बाद वर्ष 1980 से ये काम नॉर्थ ब्लॉक की प्रेस में होता रहा है। केंद्रीय बजट दस्तावेजों की कई सौ प्रतियां छापने की प्रक्रिया इतनी

संवेदनशील और जटिल होती है कि इसकी छपाई से जुड़े हुए कर्मचारियों एवं मंत्रालय के अधिकारियों को प्रेस के भीतर ही दो हफ्ते तक रखा जाता है। इसके साथ ही इस दौरान इस कार्य में शामिल अधिकारियों की पहुंच सख्त तौर पर प्रतिबंधित रहती है। बजट दस्तावेजों की छपाई शुरू होने के साथ ही पारंपरिक 'हलवा' समारोह आयोजित किया जाएगा, जो छपाई प्रक्रिया की शुरुआत का प्रतीक होता है। यह समारोह अगले सप्ताह होने की संभावना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को लोकसभा में वित्त वर्ष 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश करेंगी। ये उनका लगातार नौवां बजट होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2020-21 में बजट को पहली बार कागज-रहित किया था। उस साल उन्होंने केंद्रीय बजट टैबलेट पर पढ़ा और सभी बजट दस्तावेज सांसदों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से वितरित किए गए थे। साथ ही 'यूनियन बजट मोबाइल ऐप' भी पेश किया गया था, ताकि आम जनता और सांसदों को बजट दस्तावेजों तक आसान डिजिटल पहुंच मिल सके। इस मोबाइल ऐप में कुल 14 बजट दस्तावेज शामिल हैं, जिनमें सालाना वित्तीय विवरण, अनुदान मांग, वित्त विधेयक और अन्य संबंधित दस्तावेज हैं। उल्लेखनीय है कि यह स्वतंत्र भारत के इतिहास का पहला मौका था जब केंद्रीय बजट की प्रतियां बड़े पैमाने पर प्रकाशित नहीं की गई थीं। आजादी के बाद पहला बजट 26 नवंबर, 1947 को पेश किया गया था।

विश्व बैंक ने 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7.2 फीसदी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्थिक मोर्चे पर भारत के लिए अच्छी खबर है। विश्व बैंक ने मजबूत घरेलू मांग और कर सुधारों के दम पर चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.2 फीसदी कर दिया है। यह उसके जून के अनुमान से 0.9 फीसदी ज्यादा है। विश्व बैंक ने जारी अपनी प्रमुख रिपोर्ट 'वैश्विक आर्थिक संभावनाएं' में कहा है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान है। इस रिपोर्ट में यह भी कहा कि अगामी वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर धीमी होकर 6.5 फीसदी रह सकती है।

विश्व बैंक जीडीपी का ये अनुमान इस धारणा पर आधारित है कि अमेरिका का 50 फीसदी आयात शुल्क इस दौरान लागू रहेगा। रिपोर्ट में कहा गया है, 'इसके बावजूद उम्मीद है कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज वृद्धि दर बनाए रखेगा।'' इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया, 'वित्त वर्ष 2027-28 में वृद्धि दर बढ़कर 6.6 फीसदी होने की उम्मीद है, जिसे मजबूत सेवा गतिविधियों के साथ ही निर्यात में सुधार और निवेश में तेजी से समर्थन मिलेगा। 'कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

देश का निर्यात दिसंबर में 1.87 फीसदी बढ़कर 38.5 अरब डॉलर पर पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच देश का निर्यात दिसंबर में 1.87 फीसदी बढ़कर 38.5 अरब डॉलर पर पहुंच गया, लेकिन आयात में तेज वृद्धि की वजह से व्यापार घाटा बढ़कर 25 अरब डॉलर हो गया। इस अवधि में आयात 8.7 फीसदी बढ़कर 63.55 अरब डॉलर रहा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जानकारी दी कि इस दौरान आयात और निर्यात के बीच का अंतर यानी व्यापार घाटा मामूली रूप से बढ़कर 25.04 अरब डॉलर हो गया। इससे पिछले महीने नवंबर 2025 में ये 24.53 अरब डॉलर रहा, जबकि दिसंबर 2024 में 22 अरब डॉलर था। आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान

देश का कुल वस्तु निर्यात 2.44 फीसदी बढ़कर 330.29 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान कुल आयात 5.9 फीसदी बढ़कर 578.61 अरब डॉलर हो गया। इस तरह चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में कुल व्यापार घाटा 248.32 अरब डॉलर दर्ज किया गया।मंत्रालय की जारी व्यापार आंकड़ों पर वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत का निर्यात सकारात्मक रुझान दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा रुझानों को देखते हुए हमें उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में कुल निर्यात (वस्तु और सेवाएं) 850 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर सकता है। राजेश अग्रवाल ने कहा कि पिछले महीने निर्यात में तेजी की अगुवाई इंजीनियरिंग उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक्स, समुद्री उत्पाद और दवा जैसे क्षेत्रों ने की। इसके साथ अमेरिका, चीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को भारत का निर्यात स्थिर गति से बढ़ रहा है।

फ्लिपकार्ट ने जेन ड्यूक को मुख्य नैतिकता एवं अनुपालन अधिकारी नियुक्त किया

एजेंसी

नई दिल्ली। वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने जेन ड्यूक को मुख्य नैतिकता एवं अनुपालन अधिकारी (सीईसीओ) नियुक्त किया है। ई-कॉमर्स कंपनी ने यह कदम अपने आरंभिक सार्वजनिक निगर्म (आईपीओ) की तैयारी के बीच गवर्नेंस स्ट्रक्चर को मजबूत करने के मकसद से उठाया है।कंपनी ने एक बयान में बताया कि जेन ड्यूक वॉलमार्ट इंटरनेशनल की मुख्य नैतिकता एवं अनुपालन अधिकारी क्रिस साइरेन को रिपोर्ट करेंगी और फ्लिपकार्ट समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कल्याण कृष्णमूर्ति के साथ मिलकर काम करेंगी। जेन ड्यूक को प्रवर्तन और कॉर्पोरेट अनुपालन के क्षेत्र में लगभग तीन दशकों का अनुभव है। टायसन फूड्स में उन्होंने मुख्य अनुपालन अधिकारी, उपाध्यक्ष और एसोसिएट जनरल काउंसल के रूप में काम किया। उनका सबसे हालिया काम टायसन फूड्स में था, जहां उन्होंने चीफ कंप्लायंस ऑफिसर के तौर पर काम करने के बाद वाइस प्रेसिडेंट और एसोसिएट जनरल काउंसल के रूप में काम किया। इससे पहले उन्होंने अर्कांसस के पूर्वी जिले के लिए अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय में 10 से अधिक वर्ष तक सेवा दी।

फ्लिपकार्ट समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कल्याण कृष्णमूर्ति ने कहा कि जटिल वैश्विक संगठनों में नैतिकता, अनुपालन एवं कामकाज के क्षेत्र में उनका व्यापक अनुभव पारदर्शिता और नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट समूह भारत की प्रमुख डिजिटल कंपनियों में से एक है। इस समूह में फ्लिपकार्ट, मिंत्रा, फ्लिपकार्ट होलसेल, क्लियरट्रिप और सुपर. मनी कंपनियां शामिल हैं। 2007 में स्थापित, फ्लिपकार्ट ने लाखों विक्रेताओं, व्यापारियों और छोटे व्यवसायों को भारत की डिजिटल कॉमर्स क्रांति में भाग लेने में सक्षम बनाया है। 500 मिलियन से अधिक रजिस्टर्ड यूजर्स के साथ फ्लिपकार्ट का मार्केटप्लेस 80 से ज़्यादा कैटेगरी में 150 मिलियन से ज़्यादा प्रोडक्ट पेश करता है।

अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते की बातचीत जारी है: वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकारी डाक विभाग अब लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता के रूप में आल लाइन बाजार के खुले मंच 'ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) से जुड़ गया और इस मंच के माध्यम से की गयी आर्डर बुकिंग पर पहली खेप की डिलीवरी भी कर दी है। ओएनडीसी केंद्र सरकार की पहल पर देश का पहला खुला डिजिटल बाजार मंच है जिस और इसका लक्ष्य डिजिटल बाजार व्यवस्था को लोकतांत्रिक बनाना है। संचार मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार डाक विभाग ओएनडीसी पर 'क्लिक एंड बुक' मॉडल के साथ लाइव है। इसके अंतर्गत, इस मंच से जुड़ा कोई भी विक्रेता आनलाइन तरीके से 'पिकअप अनुरोध ' (डिलीवरी के लिए माल उठाने का अपना अनुरोध) तैयार कर लॉजिस्टिक्स पार्टनर के तौर पर डाक विभाग को चुन कर अपने यहां से पार्सल भेज सकता। उस पार्सल को पिकअप के समय उठा कर डाक विभाग की तकनीक से संचालित रसद प्रणाली की सहायता से रवाना किया जाता है, उसकी रास्ते में निगरानी की जाती है और माल को अंतिम मुकाम पर सौंपा जाता है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि डाक विभाग ने ओएनडीसी के माध्यम से 13 जनवरी को मिले पहले ऑनलाइन ऑर्डर की बुकिंग कर डिलीवर कर दिया गया।

सर्राफा बाजार में सोने की रफ्तार पर आज लगा ब्रेक, चांदी ने लगातार चौथे दिन बनाया मजबूती का नया रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की तेजी पर आज ब्रेक लगता हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी आज एक बार फिर मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। चांदी ने आज लगातार चौथे दिन ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है। सोना आज 370 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 400 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसके विपरीत चांदी ने भी आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 5 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की छलांग लगाई है। कीमत में आज आए इस उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,610 रुपये से लेकर 1,43,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,640 रुपये से लेकर 1,31,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में भी तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज ये चमकीली धातु 2,95,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,43,760 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,790 रुपये प्रति

10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,43,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,43,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,31,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,43,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,43,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,31,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ईरान से तनाव के बीच अमेरिकी युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन मिडिल ईस्ट रवाना

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका ने अशांत ईरान में फिलहाल हमला न करने का संकेत जरूर दिया है पर उसने अपने सबसे शक्तिशाली युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन को मिडिल ईस्ट (मध्य पूर्व) रवाना किया है। मध्य पूर्व क्षेत्र में सामान्यतः बहरीन, साइप्रस, मिस्र, ईरान, इराक, इजराइल, जॉर्डन, कुवैत, लेबनान, ओमान, कतर, सऊदी अरब, सीरिया, तुर्किये, संयुक्त अरब अमीरात और यमन जैसे देश हैं। यह क्षेत्र तीन महाद्वीपों एशिया, अफ्रीका और यूरोप के संगम पर है। अब्राहम लिंकन अपनी परमाणु ऊर्जा और व्यापक मारक क्षमता के लिए जाना जाता है। यह बिना सेना की मदद से तबाही मचाने में सक्षम है। सीएनएन चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, तेहरान में हालात सामान्य होने के संकेत दिख रहे हैं, लेकिन कुछ ईरानियों का कहना है कि हफ्तों तक सरकार विरोधी प्रदर्शनों और क्रूर कार्रवाई के बाद वे अभी भी अमेरिका के संभावित दखल के लिए तैयार हैं। एक खाड़ी अधिकारी ने बताया कि पिछले 72 घंटों में जोरदार कूटनीतिक कोशिश के बाद कई अरब देशों ने वॉशिंगटन और तेहरान के बीच तनाव कम करने में मदद की। व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोई भी विकल्प खत्म नहीं किया है। अगर ईरान में हत्याएं जारी रहीं तो गंभीर नतीजे होंगे। एक सूत्र के अनुसार, तनाव के बीच अमेरिकी सेना एक कैरियर स्ट्राइक ग्रुप को मिडिल ईस्ट भेज रहा है।

बलोचिस्तान में कन्या हाई स्कूल की प्रिंसिपल समेत तीन लोगों की हत्या, दो घायल

क्वेटा (बलोचिस्तान)। बलोचिस्तान के विभिन्न जिलों में हुई गोलीबारी की घटनाओं में एक महिला शिक्षक सहित तीन लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया। इन घटनाओं दो अन्य घायल हो गए। महिला शिक्षक इलाहाबाद के साबी इलाके में स्थित कन्या हाई स्कूल में प्रधानाचार्य थीं। उन्हें अज्ञात बंदूकधारियों ने स्कूल के पास गोली मारी। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, साबी पुलिस ने बताया कि महिला अपने घर से स्कूल जा रही थीं। स्कूल के मुख्य द्वार के सामने घात लगाकर बैठे अज्ञात हथियारबंद लोगों ने उन पर गोलियां चला दीं। परिणामस्वरूप उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी ओर, डेरा मुराद जमाली स्थित वेस्ट हाई स्कूल के पास अज्ञात मोटरसाइकिल सवार लोगों ने पुलिस हवलदार अली गोहर मगसी की गोली मारकर हत्या कर दी।दूसरी ओर, सिंध के सजावल निवासी खामुन खसखली के पुत्र 30 वर्षीय नजर अली की बलोचिस्तान के औद्योगिक क्षेत्र में लूटपाट के प्रयास के दौरान हत्या कर दी गई। इसके अलावा, पंजगुर के हाजी गाजी सुरदो इलाके में हुई गोलीबारी में हसन हयात घायल हो गया। उसे सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बीच, केच जिले के बलादाह इलाके में अज्ञात सशस्त्र मोटरसाइकिल सवारों की गोलीबारी में बल्चाबाद निवासी माजिद आदम घायल हो गया।

बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी ने घटक दलों के साथ 253 सीटों पर बंटवारे की घोषणा की

ढाका। बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 12 फरवरी को होने वाले 13वें संसदीय चुनाव के लिए 253 सीटों के लिए सीट बंटवारे की घोषणा की है। जमात 179 सीट, नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) 30, मामुनुल हक के नेतृत्व वाली बांग्लादेश खिलाफत मजलिस 20, खिलाफत मजलिस 10, लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी सात, एबी पार्टी तीन, निजामे इस्लामी पार्टी दो और बांग्लादेश डेवलपमेंट पार्टी दो सीटों पर चुनाव लड़ेगी। यह जानकारी जमात के नायब-ए-अमीर सैयद अब्दुल्ला मोहम्मद ताहिर ने गुरुवार देरशाम संवाददाता सम्मेलन में दी। द ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, ताहिर ने काकरैल इलाके के इंस्टीट्यूशन ऑफ डिप्लोमा इंजीनियर्स में यह घोषणा की। इस दौरान गठबंधन के मुख्य घटकों में से एक इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश (आईएबी) ने संवाददाता सम्मेलन का बहिष्कार किया। ताहिर ने कहा कि यह अभी तय नहीं हुआ है कि गठबंधन के दो अन्य घटक बांग्लादेश खिलाफत आंदोलन और जातीय गणतांत्रिक पार्टी (जागपा) को कितनी सीटें दी जाएंगी। बहिष्कार करने वाले इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश के लिए 47 सीट आरक्षित की गई हैं।

सिंगापुर में बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम, प्रीतम सिंह नेता प्रतिपक्ष पद से हटाए गए

सिंगापुर। सिंगापुर की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला, जब प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने वर्कर्स पार्टी के नेता प्रीतम सिंह को नेता प्रतिपक्ष (लीडर ऑफ द ऑपोजिशन) के पद से तत्काल प्रभाव से हटा दिया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने वर्कर्स पार्टी से नए सांसद के नामांकन की मांग की है, जो इस मामले से जुड़ा न हो। यह फैसला संसद द्वारा 14 जनवरी 2026 को लिए गए उस निर्णय के बाद आया, जिसमें प्रीतम सिंह को नेता प्रतिपक्ष पद के लिए अनुपयुक्त घोषित किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, प्रीतम सिंह को संसद की एक समिति के समक्ष झूठी गवाही देने के मामले में दोषी ठहराया गया था, जिसे उनके खिलाफ गंभीर आचरण उल्लंघन माना गया। प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने 15 जनवरी को जारी अपने आधिकारिक बयान में कहा कि उन्होंने इस पूरे मामले पर गहन विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रीतम सिंह की आपराधिक दोषसिद्धि और संसद द्वारा उनकी अनुपयुक्तता के फैसले को देखते हुए उनका नेता प्रतिपक्ष बने रहना अब संभव नहीं है। वोंग ने कहा कि यह कदम कानून के शासन, संसद की गरिमा और लोकतांत्रिक संस्थाओं की अखंडता को बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है।

बुल्गारिया में महामारी की तरह फैल रहा इन्फ्लूएंजा वायरस, संक्रमण को रोकने के लिए लागू किए नए नियम

एजेंसी

सोफिया। बुल्गारिया के अलग-अलग जिलों में इन्फ्लूएंजा वायरस का कहर देखने को मिल रहा है। हर हफ्ते मरीजों की संख्या में बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है। बुल्गारिया के मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक एंजेल कुनचेव ने फ्लू को महामारी करार कर दिया है। संक्रमण से निपटने के लिए वर्ना जिले के बाद अब डोब्रिच जिले में भी कुछ उपाय अपनाए जा रहे हैं जिससे फ्लू के संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। उत्तरपूर्वी बुल्गारिया क्षेत्र में संक्रमण से बचने के लिए 19 जनवरी से लागू होंगे और 23 जनवरी तक प्रभावी रहेंगे। इन उपायों में सभी स्कूलों में डायरेक्ट क्लास निलंबित रहेंगी। साथ ही, अस्पताल जाना, नियोजित सर्जरी, बच्चों का टीकाकरण और बाल रोग संबंधी परामर्श पर भी रोक लगा दी गई है। ऐसा कदम इन्फ्लूएंजा वायरस के

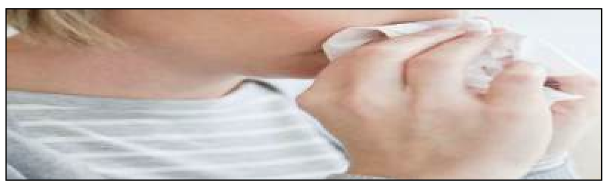

संक्रमण को रोकने के लिए किया गया है। बता दें कि 5 जनवरी से लेकर 11 जनवरी के बीच संक्रमण प्रति 10,000 व्यक्तियों के 207 मामले दर्ज किए गए थे। संक्रमण के मामले जिले-दर-जिले तेजी से फैल रहे हैं और फ्लू के संक्रमण को रोकने के लिए सरकार हर संभव उपाय कर रही है। बुल्गारिया के मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक एंजेल कुनचेव ने बीते बुधवार को पत्रकारों को बताया कि देश फ्लू महामारी के कगार पर है। सिलिस्ट्रा, बर्गास, याम्बोल, हास्कोवो और पेर्निक जैसे क्षेत्रों में भी संक्रमण दर बढ़ रही है। हालांकि सकारात्मक संकेत यह है कि महामारी की लहर जितनी तेजी से बढ़ रही है, उतनी ही तेज़ी से कम भी हो रही है। मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक के मुताबिक फरवरी के अंत तक फ्लू की स्थिति पर नियंत्रण पा लिया जाएगा।

बता दें कि इन्फ्लूएंजा वायरस एक मौसमी वायरस है, जो मौसम में बदलाव के साथ तेजी से फैलता है। दुनिया के हर हिस्से में मौसम के बदलाव के साथ इन्फ्लूएंजा के केस बढ़ते हैं, लेकिन बुल्गारिया के अलग-अलग जिलों में बीमारी तेजी से फैल रही है। ये खांसने और छींकने से तेजी से फैलती है और इससे बचने का विकल्प सिर्फ टीकाकरण और क्वारंटाइन है। इन्फ्लूएंजा के लक्षणों में अचानक बुखार आना, खांसी, गले में खराश, शरीर में दर्द और थकान शामिल हैं।

सामान्य मामलों में दवा और आराम करने से बीमारी पर काबू पाया जा सकता है। ऐसे में डॉक्टर ज्यादा से ज्यादा तरल पदार्थ पीने के लिए कहते हैं और सामान्य लोगों से दूर करने की सलाह भी दी जाती है। इससे बीमारी के फैलने का जोखिम कम हो जाता है।

नेपाल में प्रधानमंत्री कार्यालय के मुख्य द्वार पर जेन-जी शहीद परिवारों का धरना

एजेंसी

काठमांडू। जेन-जी शहीद परिवारों ने प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद् कार्यालय, सिंहदरबार के मुख्य द्वार पर शुक्रवार को धरना दिया है।शहीद परिवारों को मासिक जीवन-निर्वाह भत्ता देने के निर्णय को लागू नहीं किए जाने के विरोध में शहीद परिवार आंदोलन पर उतरे हैं। जेन-जी शहीद परिवार कल्याणकारी समाज समिति के सचिव रोशन गौतम के अनुसार विभिन्न मंत्रालयों के चक्कर लगाने के बाद वे मजबूर होकर प्रधानमंत्री कार्यालय के सामने धरने पर बैठने को बाध्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि कभी इस मंत्रालय, कभी उस मंत्रालय के चक्कर ही लगाने पड़ रहे थे। फाइलें लेकर भटकने की स्थिति आ गई, इसलिए हमने प्रधानमंत्री कार्यालय में धरना देने का निर्णय किया। धरने में करीब 20 शहीद परिवारों के सदस्य शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने गाजा युद्धविराम के दूसरे चरण की शुरुआत का किया स्वागत

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र ने अमेरिका की ओर से घोषित गाजा संघर्ष विराम के दूसरे चरण की शुरुआत का स्वागत किया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप-प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि कोई भी ऐसा कदम जो नागरिकों की पीड़ा को कम करता है और रिकवरी में मदद करता है, उसे यूएन एक सकारात्मक पहल मानता है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप-प्रवक्ता फरहान हक ने अपने एक बयान में कहा, '14 जनवरी को राष्ट्रपति ट्रंप की 20 सूत्रीय योजना के दूसरे चरण की शुरुआत की घोषणा एक महत्वपूर्ण कदम है। इसमें गाजा में एक संक्रमणकालीन तकनीकी फिलिस्तीनी प्रशासन और गाजा प्रशासन के लिए राष्ट्रीय समिति की स्थापना शामिल है।' उन्होंने कहा कि ऐसा कोई भी कदम, जो आम नागरिकों की पीड़ा को कम करे, पुनर्बहाली और पुनर्निर्माण में मदद करे व एक विश्वसनीय राजनीतिक समाधान की दिशा में आगे बढ़े, एक सकारात्मक पहल है। बयान मेंकहा गया है, 'महासचिव सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2803 (2025) का जिक्र

करते हैं और इस बात पर जोर दिया कि सभी प्रयास संयुक्त राष्ट्र के प्रासंगिक प्रस्तावों और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप होने चाहिए। फरहान हक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र आगे भी ऐसे सभी प्रयासों का समर्थन करता रहेगा, जो फिलिस्तीनियों और इजरायलियों को कब्जे और संघर्ष को समाप्त करने में मदद करें और दो राज्य समाधान की दिशा में आगे बढ़ें, जैसा कि संयुक्त राष्ट्र के पूर्व प्रस्तावों और अंतरराष्ट्रीय कानून में निर्धारित है। वर्तमान में गाजा की स्थिति यह है कि लगभग 8 लाख लोग बाढ़ के गंभीर खतरे वाले क्षेत्रों में रहने को विवश हैं। संयुक्त राष्ट्र की सहायता समन्वय एजेंसी (ओसीएचए) ने बताया कि कुल आबादी का करीब 40 प्रतिशत हिस्सा यानी लगभग 8 लाख लोग, अब ऐसे क्षेत्रों में रह रहे हैं जो बाढ़ के खतरे वाले हैं ।

आईएमएफ ने भारत की विकास दर का अनुमान बढ़ाने के दिए संकेत

एजेंसी

वाशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने संकेत दिया है कि वह भारत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान बढ़ा सकता है। इसकी वजह यह है कि हाल की तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर गति से बढ़ी है। इससे एक बार फिर साफ होता है कि वैश्विक विकास को आगे बढ़ाने में भारत की भूमिका बहुत अहम है। भारत की 2025 की आर्थिक वृद्धि को लेकर पूछे गए सवाल पर आईएमएफ की संचार विभाग की निदेशक जूली कोज़ैक ने कहा कि भारत ग्लोबल विस्तार को आगे बढ़ा रहा है, भले ही व्यापक अंतरराष्ट्रीय आर्थिक माहौल में अनिश्चितता छाई हुई हो। कोज़ैक ने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा, 'हमने भारत में देखा है कि भारत दुनिया के लिए एक प्रमुख ग्रोथ इंजन है।' आईएमएफ की हाल की समीक्षा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की विकास दर 6.6 प्रतिशत आंकी गई थी। यह अनुमान देश के भीतर मजबूत खपत पर आधारित है। जूली कोज़ैक ने बताया कि बाद में आए नए आर्थिक आंकड़ों, खासकर तीसरी तिमाही के आंकड़ों ने आईएमएफ का भरोसा और मजबूत किया है।

तीसरी तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि अनुमान से ज्यादा रही। इसी वजह से आईएमएफ को अब यह संभावना दिख रही है कि आने वाले समय में भारत की विकास दर के अनुमान को और ऊपर किया जा सकता है। आईएमएफ अगले कुछ दिनों में अपने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक का जनवरी अपडेट जारी करने जा रहा है। इसमें भारत और अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के नए अनुमान शामिल होंगे। उस समय भारत के लिए संशोधित विकास दर भी बताई जाएगी।

कोज़ैक ने कहा, 'हमारा जनवरी रिपोर्ट अपडेट अगले कुछ दिनों में आने वाली है। इसलिए उस समय हमारे पास भारत के लिए संशोधित ग्रोथ का आंकड़ा होगा।' हालांकि उन्होंने अपडेट से पहले संशोधित आंकड़ा नहीं बताया, लेकिन कोज़ैक ने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत के बारे में फंड का आकलन पूरी तरह से सकारात्मक बना हुआ है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि भारत के बारे में हमारे लिए निचोड़ यह है कि यह ग्लोबल ग्रोथ का एक प्रमुख चालक रहा है। भारत में ग्रोथ काफी मजबूत रही है।'

अर्थशास्त्रियों का कहना है कि मौजूदा समय में आईएमएफ का यह संकेत खास मायने रखता है। ओआरएफ अमेरिका के सीनियर फेलो अनित मुखर्जी ने कहा कि फंड की टिप्पणियां ऐसे समय में भारत की मजबूती को दिखाती हैं जब कई अर्थव्यवस्थाएं अनिश्चितता से जूझ रही हैं। मुखर्जी ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह भारतीय अर्थव्यवस्था और ग्लोबल ग्रोथ के लिए बहुत अच्छी खबर है।

दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सूक येओल को पांच साल की सजा

एजेंसी

सोल । दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सूक येओल को पांच साल जेल की सजा सुनाई गई। पूर्व राष्ट्रपति पर आरोप है कि उन्होंने पिछले साल उन्हें हिरासत में लेने की जांच प्रक्रिया में रुकावट डालने का प्रयास किया। पूर्व दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ने दिसंबर 2024 में अपने शासन के दौरान मार्शल लॉ लगाया था। इसी मामले में सियोल सेंट्रल जिला अदालत ने यून के खिलाफ यह पहला फैसला सुनाया है। योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, यह सजा उस सजा से आधी थी जो स्पेशल वकील चो यून-सुक की टीम ने पिछले महीने मांगी थी। यून-सुक टीम ने आरोप लगाया था कि पूर्व राष्ट्रपति ने अपने आपराधिक कामों को छिपाने और सही ठहराने के मकसद से सरकारी संस्थानों का निजीकरण करके गंभीर अपराध किया है।

सुनवाई के दौरान जज बेक डे-ह्यून ने यून के खिलाफ आरोपों और

उनमें से हर एक पर बेंच के फैसले की लिस्ट बनाई। यून पर कई आरोप लगे हैं। इन आरोपों में पिछले साल जनवरी में प्रेसिडेंशियल सिक्योरिटी सर्विस को जांचकर्ताओं को उन्हें (पूर्व राष्ट्रपति यून को) हिरासत में लेने के वारंट पर रोक लगाने का आदेश देने, नौ कैबिनेट सदस्यों के अधिकारों का उल्लंघन करने (जिन्हें उनके मार्शल लॉ प्लान की समीक्षा के लिए मीटिंग में नहीं बुलाया गया था) और मार्शल लॉ का आदेश हटाए जाने के बाद एक बदले हुए ऐलान का ड्राफ्ट बनाने और बाद में उसे नष्ट करने का आरोप शामिल है।

इसके अलावा, पूर्व राष्ट्रपति पर घोषणा के बारे में झूठे प्रेस स्टेटमेंट बांटने और उस समय के मिलिट्री कमांडरों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सिक्योर फोन से रिकॉर्ड डिलीट करने का आदेश देने का आरोप लगाया गया था। जज ने कहा कि यून नौ कैबिनेट सदस्यों में से दो के अधिकारों और झूठे प्रेस स्टेटमेंट बांटने के आदेश को छोड़कर सभी आरोपों में दोषी है।

कोर्ट ने फैसला सुनाया कि हाई-रैंकिंग अधिकारियों के लिए करप्शन जांच कार्यालय ने पिछले साल उस समय के राष्ट्रपति के लिए डिटेंशन वारंट की जांच करने और उन्हें लागू करने में अपने अधिकार के दायरे में काम किया। इस फैसले का अगले महीने आने वाले फैसले पर असर पड़ने की उम्मीद है। स्पेशल अभियोजक ने इस हफ्ते की शुरुआत में बगावत के आरोप में यून के लिए मौत की सजा की मांग की थी।

पाक गृहमंत्री, बलोच मुख्यमंत्री ने फ्रंटियर कोर के मुख्यालय का दौरा किया

एजेंसी

क्वेटा (बलोचिस्तान)। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलोचिस्तान में विद्रोहियों एवं सरकार के बीच बढ़ते टकराव के बीच देश के गृह मंत्री मोहसिन नक़वी ने प्रांत के मुख्यमंत्री सरफराज़ बुगती के साथ पाकिस्तानी सेना की फ्रंटियर कोर के उत्तरी बलोचिस्तान मुख्यालय का दौरा किया। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार नकवी ने बलोचिस्तान के बड़े भाग में स्थिति को नियंत्रित रखने एवं विद्रोहियों के दमन के लिए कोर के सैनिकों की सराहना की। इस मौके पर उत्तरी बलोचिस्तान मुख्यालय के प्रभारी महानिरीक्षक मेजर जनरल मोहम्मद आतिफ मुज़्तबा मौजूद थे। नेताओं ने मुख्यालय परिसर में शहीद स्मारक पर बलोचिस्तान में विद्रोहियों के हाथों मारे गये सैनिकों के सम्मान में अक़ीदत के फूल चढ़ाए। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि मुख्यमंत्री बुगती ने भी तथाकथित आतंकवादी खतरों को खत्म करने के लिए फ्रंटियर कोर के बलिदान की तारीफ की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बलोचिस्तान की प्रांतीय सरकार 'आतंकवाद' से लड़ने के प्रयासों में सुरक्षा बलों के साथ मजबूती से खड़ी है।

'मेरे लिए बड़े सम्मान की बात', मारिया मचाडो से 'नोबेल' मिलने के बाद बोले राष्ट्रपति ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो से मुलाकात की है। ट्रंप ने इस मुलाकात को बड़ा सम्मान बताया और कहा कि व्हाइट हाउस में बंद कमरे में हुई बातचीत के दौरान मचाडो ने उन्हें अपना नोबेल शांति पुरस्कार भेंट किया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'वेनेजुएला की मारिया कोरिना मचाडो से मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई। वह एक शानदार महिला हैं, जिन्होंने बहुत कुछ सहा है। मारिया ने मेरे काम के लिए मुझे अपना नोबेल शांति पुरस्कार दिया। यह आपसी सम्मान का एक बहुत अच्छा संकेत था।' राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो के बीच यह पहली मुलाकात थी, जो व्हाइट

हाउस के प्राइवेट डाइनिंग रूम में लंच के दौरान हुई।

मचाडो ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार का मेडल दिया। उन्होंने इसे वेनेजुएला और अमेरिका के बीच साझा लोकतांत्रिक परंपराओं में निहित एक प्रतीकात्मक संकेत बताया।

इसी बीच, मचाडो ने फ्रांसीसी जनरल मार्क्विस डी लाफायेट की याद दिलाई। उन्होंने कहा, '200 साल पहले फ्रांसीसी जनरल मार्क्विस डी लाफायेट ने वेनेजुएला के नेता साइमन बोलिवर को जॉर्ज वाशिंगटन की तस्वीर वाला एक मेडल दिया था, जिसे बोलिवर ने अपनी बाकी जिंदगी अपने पास रखा। इतिहास में दो सौ साल बाद, बोलिवर के लोग वाशिंगटन के उत्तराधिकारी को एक मेडल वापस दे रहे हैं। इस मामले में, नोबेल शांति पुरस्कार का मेडल, हमारी स्वतंत्रता के प्रति उनकी अद्वितीय प्रतिबद्धता की पहचान के रूप में है।'

व्हाइट हाउस की बैठक के बाद मचाडो कैपिटल हिल पहुंचीं, जहां उन्होंने अमेरिकी सीनेटरों के साथ द्विदलीय बैठक में हिस्सा लिया। इस बैठक की मेजबानी सीनेट के डेमोक्रेटिक व्हिप डिक डर्बिन और सीनेट विदेश संबंध समिति की वरिष्ठ सदस्य जीन शाहीन ने की। डिक डर्बिन ने कहा, 'मारिया कोरिना मचाडो एक असाधारण शख्सियत हैं और वेनेजुएला की सरकार व जनता में बदलाव लाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालने के कारण नोबेल शांति पुरस्कार की पूरी तरह हकदार हैं।' वहीं, जीन शाहीन ने चेतावनी दी कि तानाशाह को हटाना लोकतंत्र बहाल करने जैसा नहीं है।

देउबा गुट का दावाः 885 प्रतिनिधियों ने विशेष महाधिवेशन को दिया समर्थन वापस लिया

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री एवं नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेरबहादुर देउबा के नेतृत्व वाले गुट ने दावा किया है कि पार्टी के दूसरे विशेष महाधिवेशन के समर्थन में हस्ताक्षर करने वाले महाधिवेशन प्रतिनिधियों में से 885 प्रतिनिधियों ने अपनी सहमति वापस ले ली है। शुक्रवार को निर्वाचन आयोग पहुंचने के बाद पत्रकारों से बातचीत में नेताओं पूर्ण बहादुर खड्का और शेखर कोइराला ने कहा कि संबंधित प्रतिनिधियों ने औपचारिक रूप से विशेष महाधिवेशन से दूरी बना ली है और समर्थन वापस लेने संबंधी लिखित सूचनाएं जमा कराई हैं।

खड्का ने कहा, 'हस्ताक्षर करने वालों और प्रतिभागियों में से 885 प्रतिनिधियों ने अपनी सहमति वापस ले ली है। कर्णाली प्रदेश से सभी हस्ताक्षरकर्ताओं ने केंद्रीय कार्यालय के माध्यम से कार्यवाहक पार्टी अध्यक्ष को संबोधित दस्तावेज जमा किए हैं, जिनके हस्ताक्षरों का सत्यापन मुख्य सचिव द्वारा महाधिवेशन से पहले और बाद–दोनों समय किया गया है।' यह दावा ऐसे समय में सामने आया है जब एक दिन पहले 11 से 14 जनवरी तक आयोजित विशेष महाधिवेशन के जरिए निर्वाचित गगन थापा-विश्व प्रकाश शर्मा गुट ने नए केंद्रीय कार्यसमिति को आधिकारिक मान्यता देने और अद्यतन करने के लिए निर्वाचन आयोग में आवेदन दिया था।

शुक्रवार सुबह देउबा समर्थक केंद्रीय कार्यसमिति सदस्यों ने पार्टी की वैधता को लेकर अपने दावे के समर्थन में निर्वाचन आयोग परिसर में धरना दिया। इस दौरान कार्यवाहक पार्टी अध्यक्ष पूर्ण बहादुर खड्का, धनराज गुरुङ, बिमलेन्द्र निधि, रमेश रिजाल, श्याम घिमिरे, कल्याण गुरुङ, जीत जंग बस्नेत सहित अन्य नेता मौजूद थे। खड्का ने कार्यवाहक मुख्य निर्वाचन आयुक्त राम प्रसाद भंडारी को दस्तावेज और साक्ष्य सौंपते हुए कहा कि विशेष महाधिवेशन को आवश्यक संख्या में प्रतिनिधियों का समर्थन प्राप्त नहीं था। विशेष महाधिवेशन के माध्यम से गगन थापा के पार्टी अध्यक्ष चुने जाने के बाद, दोनों गुटों ने निर्वाचन आयोग में अपनी-अपनी दावेदारी को लेकर गतिविधियां तेज कर दी हैं और पार्टी की आधिकारिक मान्यता पर दावा कर रहे हैं।

जासूसी के आरोप में रूस ने ब्रिटिश राजनयिक को निकाला, लंदन-मॉस्को तनाव और गहराया

एजेंसी

मॉस्को। रूस और ब्रिटेन के बीच पहले से चले आ रहे तनाव में एक बार फिर तेजी आ गई है। जासूसी का आरोप लगाते हुए रूस ने मॉस्को स्थित ब्रिटिश दूतावास के एक राजनयिक को देश छोड़ने का आदेश दिया है। रूसी संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) का दावा है कि संबंधित अधिकारी ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी एमआई6 के लिए गुप्त गतिविधियों में शामिल था, हालांकि इन आरोपों के समर्थन में कोई सार्वजनिक सबूत पेश नहीं किया गया है। रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा कि संबंधित राजनयिक की मान्यता रद्द कर दी गई है और उसे दो सप्ताह के भीतर रूस छोड़ना होगा। इस संबंध में ब्रिटिश दूतावास की प्रभारी अधिकारी डेने ढोलकिया को मंत्रालय में तलब कर औपचारिक नोटिस सौंपा गया। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि रूस अपने क्षेत्र में कथित रूप से गुप्त रूप से तैनात विदेशी खुफिया अधिकारियों की मौजूदगी को स्वीकार नहीं करेगा। रूसी पक्ष ने चेतावनी दी है कि यदि ब्रिटेन इस कदम के जवाब में कोई कार्रवाई करता है, तो मॉस्को भी उसी स्तर पर प्रतिक्रिया देगा। इसे दोनों देशों के बीच राजनयिक टकराव के और बढ़ने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। उधर, ब्रिटेन के विदेश कार्यालय ने रूस के फैसले पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

हमास को हर हालत में छोड़ने होंगे हथियार, ट्रंप ने किया टेक्नोक्रेटिक एडमिनिस्ट्रेशन का समर्थन

एजेंसी

वॉशिंगटन। गाजा संघर्ष को खत्म करने के लिए पेश अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति योजना के दूसरे चरण का काम शुरू हो गया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका आधिकारिक तौर पर अपने गाजा पीस प्लान के अगले फेज में आ गया है। उन्होंने पीस प्लान के दूसरे चरण के तहत बने फिलीस्तीनी टेक्नोक्रेटिक एडमिनिस्ट्रेशन का समर्थन किया और हमास से पूरी तरह से हथियार डालने और टनल नेटवर्क खत्म करने की मांग की है। पहले चरण के तहत हमास ने सभी जीवित बंधकों को रिहा कर दिया, हालांकि एक बंधक का शव अब भी हमास ने नहीं लौटाया है। इस वजह से इजरायल के लोग मांग कर रहे हैं कि जब तक हमास आखिरी शव नहीं लौटाता है, तब तक दूसरे चरण की प्रक्रिया शुरू न हो। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, 'जैसा कि खास दूत स्टीव विटकॉफ ने घोषणा की, हम आधिकारिक तौर पर गाजा के 20-प्वाइंट पीस प्लान के अगले फेज में आ गए हैं। यह कदम सीजफायर के बाद हासिल रिकॉर्ड मानवीय फायदों के बाद आया है।'

उन्होंने कहा, 'सीजफायर के बाद से, मेरी टीम ने गाजा में रिकॉर्ड लेवल की

मानवीय मदद पहुंचाने में मदद की है। संयुक्त राष्ट्र ने भी इस कदम को अभूतपूर्व माना है। इन नतीजों ने इस अगले फेज के लिए स्टेज तैयार कर दिया है।' ट्रंप ने कहा कि गाजा अब अपने ट्रांजिशन के दौरान एक फिलिस्तीनी टेक्नोक्रेटिक एडमिनिस्ट्रेशन, नेशनल कमेटी फॉर द एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ गाजा द्वारा चलाया जाएगा। यह अमेरिका के नेतृत्व वाले बोर्ड ऑफ पीस के समर्थन से काम करेगा।

इससे पहले अमेरिका के दो सीनियर प्राासनिक अधिकारियों ने बताया था कि शांति योजना के दूसरे चरण में एक ट्रांजिशनल टेक्नोक्रेटिक फिलिस्तीनी संस्था, नेशनल कमेटी फॉर द एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ गाजा (एनसीएजी) का गठन किया जाएगा। इसका मकसद सीजफायर के प्रबंधन से आगे बढ़ते हुए गाजा में विसैन्यीकरण, टेक्नोक्रेटिक शासन और पुनर्निर्माण की दिशा में बदलाव की प्रक्रिया शुरू करना है।

उन्होंने कहा कि एक ट्रांजिशनल टेक्नोक्रेटिक एडमिनिस्ट्रेशन गाजा में हमास और फिलिस्तीनी अथॉरिटी दोनों की जगह लेगा, जो पिछले इंतजामों से एक बड़ा बदलाव होगा।

ट्रंप ने इसमें शामिल फिलिस्तीनी नेताओं को एक शांतिपूर्ण भविष्य के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अगला चरण हमास के साथ एक बड़े विसैन्यीकरण समझौते को पक्का करने पर फोकस करेगा, जिसमें क्षेत्रीय साझेदारों का समर्थन होगा। उन्होंने कहा, 'मिस्र, तुर्किए और कतर के समर्थन से हम हमास के साथ एक बड़ा समझौता करेंगे, जिसमें सभी हथियारों का सरेंडर और हर टनल को खत्म करना शामिल है।' ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा, 'हमास को तुरंत अपनी प्रतिबद्धता का सम्मान करना चाहिए, जिसमें इजरायल को आखिरी बॉडी वापस करना शामिल है और बिना देर किए गैर सैन्यीकरण की ओर बढ़ना चाहिए। वे इसे आसान तरीके से या फिर मुश्किल तरीके से कर सकते हैं।'

उर्वरक, पौधों के लिये आवश्यक तत्वों की तत्काल पूर्ति के साधन

उर्वरक कृषि में उपज बढ़ाने के लिए प्रयुक्त रसायन हैं जो पेड-पौधों की वृद्धि में सहायता के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। पानी में शीघ्र घुलने वाले ये रसायन मिट्टी में या पत्तियों पर छिड़काव करके प्रयुक्त किये जाते हैं। पौधे मिट्टी से जड़ों द्वारा एवं ऊपरी छिड़काव करने पर पत्तियों द्वारा उर्वरकों को अवशोषित कर लेते हैं। उर्वरक, पौधों के लिये आवश्यक तत्वों की तत्काल पूर्ति के साधन हैं लेकिन इनके प्रयोग के कुछ दुष्परिणाम भी हैं। ये लंबे समय तक मिट्टी में बने नहीं रहते हैं। सिंचाई के बाद जल के साथ ये रसायन जमीन के नीचे भौम जलस्तर तक पहुँचकर उसे दूषित करते हैं। मिट्टी में उपस्थित जीवाणुओं और सुक्ष्मजीवों के लिए भी ये घातक साबित होते हैं। इसलिए उर्वरक के विकल्प के रूप में जैविक खाद का प्रयोग तेजी से लोकप्रीय हो रहा है। भारत में रासायनिक खाद का सर्वाधिक प्रयोग पंजाब में होता है इनका उपयोग हमें बहुत कम करना चाहिए ।

उर्वरक का वर्गीकरण

गोबर की खाद

- कार्बनिक/जैविक उर्वरक (कम्पोस्ट, यूरिया) या अकार्बनिक उर्वरक (अमोनियम नाइट्रेट)
- प्राकृतिक (पीट) या कृत्रिम उर्वरक (सुपर फॉस्फेट)
- पादप पोषण के अन्तर्गत पादपों के विकास के लिए आवश्यक रासायनिक तत्त्वों एवं यौगिकों का अध्ययन किया जाता है।
- सत्रह (17) अत्यावश्यक पादप-पोषक तत्व हैं। कार्बन, आक्सीजन, तथा जल के अलावा निम्नलिखित खनिज तत्त्व आवश्यक हैं-

पौधों के लिये आवश्यक पोषक तत्व

मुख्य तत्व

पौधों के लिये तीन प्रमुख पोषक तत्व हैं नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटैशियम या पोटाश

द्वितीयक पोषक तत्व- कैल्शियम, गंधक या सल्फर, मैग्नीशियम

सूक्ष्म पोषक तत्व- बोरॉन, क्लोरीन, मैगनीज, लोहा, जस्ता (जिंक), ताँबा (कॉपर), मॉलीब्लेडनम्, सेलेनियम (केवल कुछ देशों में)

सीमाएं

उर्वरक, पौधों के लिये आवश्यक तत्वों की तत्काल पूर्ति के साधन हैं लेकिन इनके प्रयोग के कुछ दुष्परिणाम भी हैं। ये लंबे समय तक मिट्टी में बने नहीं रहते हैं। सिंचाई के बाद जल के साथ ये रसायन जमीन के नीचे भौम जलस्तर तक पहुँचकर उसे दूषित करते हैं। मिट्टी में उपस्थित जीवाणुओं और सुक्ष्मजीवों के लिए भी ये घातक साबित होते हैं। भारत में रासायनिक खाद का सर्वाधिक प्रयोग पंजाब में होता है। वर्तमान समय में वहाँ पानी का जलस्तर एवं मृदा की पोषकता में भारी कमी देखी गई है। इसके साथ ही मृदा तथा उपज में हानीकारक रसायनों की मात्रा में बहुत वृद्धी पाई गई है। इसलिए उर्वरक के विकल्प के रूप में जैविक खाद का प्रयोग तेजी से लोकप्रीय हो रहा है।

प्रमुख रासायनिक उर्वरक

=== **यूरिया पहचान विधि**

- सफेद चमकदार, लगभग समान आकार के गोल दाने।
- पानी में पूर्णतया घुल जाना तथा घोल छूने पर शीतल अनुभूति।
- गर्म तवे पर रखने से पिघल जाता है और आंच तेज करने पर कोई अवशेष नही बचता।

डाई अमोनियम फास्फेट (डी.ए.पी.) पहचान विधि

- सख्त, दानेदार, भूरा, काला, बादामी रंग नाखूनों से आसानी से नहीं टूटने वाला उर्वरक है।
- डी.ए.पी. के कुछ दानों को लेकर तम्बाकू की तरह उसमें चूना मिलाकर मलने पर तीक्ष्ण गन्ध निकलती है, जिसे सूंघना असह्य हो जाता है।
- तवे पर धीमी आंच में गर्म करने पर दाने फूल जाते है।

सुपर फास्फेट पहचान विधि

- यह सख्त दानेदार, भूरा काला बादामी रंगों से युक्त तथा नाखूनों से आसानी से न टूटने वाला उर्वरक है। यह चूर्ण के रूप में भी उपलब्ध होता है। इस दानेदार उर्वरक की मिलावट बहुधा डी.ए.पी. व एन.पी.के. मिक्चर उर्वरकों के साथ की जाने की सम्भावना बनी रहती है।

जिंक सल्फेट पहचान विधि

- जिंक सल्फेट में मैंगीशिम सल्फेट प्रमुख मिलावटी रसायन है। भौतिक रूप से समानता के कारण नकली असली की पहचान कठिन होती है।
- डी.ए.पी. के घोल में जिंक सल्फेट के घोल को मिलाने पर थक्केदार घना अवक्षेप बन जाता है। मैग्नीशियम सल्फेट के साथ ऐसा नहीं होता।
- जिंक सल्फेट के घोल में पतला कास्टिक का घोल मिलाने पर सफेद, मटमैला मांड़ जैसा अवक्षेप बनता है, जिसमें गाढ़ा कास्टिक का घोल मिलाने पर अवक्षेप पूर्णतया घुल जाता है। यदि जिंक सल्फेट की जगह पर मैंगनीशिम सल्फेट है तो अवक्षेप नहीं घुलेगा।

पोटाश खाद पहचान विधि

- सफेद कणाकार, पिसे नमक तथा लाल मिर्च जैसा मिश्रण।
- ये कण नम करने पर आपस में चिपकते नहीं।
- पानी में घोलने पर खाद का लाल भाग पानी में ऊपर तैरता है।
- खनिज, जिसमें 8% नाइट्रोजन, 8% फास्फोरस तथा 8% पोटाश है।

खाद डालने की मुख्य विधियाँ

- (1) थाला में डालना - तौलिए में छोटे पौधों में आधा व बड़े पौधों में एक फुट की तने से दूरी रखते हुये खादें डाल दी जाती है। खादें पौधों की टहनियों के फैलाव के नीचे बिखेर कर डालने के बाद मिट्टी में मिला दी जातीहै। मिट्टी में खादें मिलाना अति आवश्यक होता है। जब बहुत ज्यादा नमी हो या बहुत ज्यादा सूखा पड़ रहा हो तो खादें न डालें।
- (2) पट्टी में खाद डालना - टहनियों के फैलाव के बाहरी घेरे में 20-25 सेंटीमीटर पट्टी में खादें डाल दी जाती है और ऊपर से ढक दिया जाता है। ऐसे विधि वहीं प्रयोग में लाई जाती है जहां ज्यादा बरसात होती है।
- (3) छिड़काव विधि-पत्तों के ऊपर छिड़काव किया जाता है। ज्यादात्तर यूरियाखाद को पानी में घोल कर उसे छिड़काव द्वारा पत्तों पर डाला जाता है। 1 किलो यूरिया को 50 लीटर पानी में घोलकर छिडकाव करें। पानी कम होने पर पत्तियों के झुलसने की संभावना रहती है।
- (4) बिखेर कर डालना - पौधों की दो पंक्तियों के बीच में पौधों से उचितदूरी बनाते हुये खेत में बिखेर कर खादें डाल दी जाती हैं।

जैव उर्वरक /बायोफर्टिलाइजर उन उर्वरकों को कहते हैं जो जन्तुओं या वनस्पतियों से प्राप्त होते हैं। जैसे कम्पोस्ट खाद, आदि

भूमि की उर्वरता को टिकाऊ बनाए रखते हुए सतत फसल उत्पादन के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने प्रकृतिप्रदत्त जीवाणुओं को पहचानकर उनसे बिभिन्न प्रकार के पर्यावरण हितैषी उर्वरक तैयार किये हैं जिन्हे हम जैव उर्वरक (बायोफर्टिलाइजर) या जीवाणु खाद कहते है। दूसरे शब्दों में हम कह सकते है की जैव उर्वरक जीवित उर्वरक है जिनमे सूक्ष्मजीव विद्यमान होते है।

फसलों में जैव उर्वरकों को इस्तेमाल करने से वायुमण्डल में उपस्थित नत्रजन पौधो को (अमोनिया के रूप में) सुगमता से उपलब्ध होती है तथा भूमि में पहले से मौजूद अघुलनशील फास्फोरस आदि पोषक तत्व घुलनशील अवस्था में परिवर्तित होकर पौधों को आसानी से उपलब्ध होते हैं।

चूंकि जीवाणु प्राकृतिक हैं, इसलिए इनके प्रयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ती है और पर्यावरण पर विपरीत असर नहीं पड़ता। जैव उर्वरक रासायनिक उर्वरकों के पूरक है, विकल्प कतई नहीं है। रासायनिक उर्वरकों के पूरक के रूप में जैव उर्वरकों का प्रयोग करने से हम बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकते है।

वास्तव में जैव उर्वरक विशेष सूक्ष्मजीवों एवं किसी नमी धारक पदार्थ के मिश्रण हैं। विशेष सूक्ष्म जीवों की निर्धारित मात्रा को किसी नमी धारक धूलीय पदार्थ (चारकोल, लिग्नाइट आदि) में मिलाकर जैव उर्वरक तैयार किये जाते हैं। यह प्राय: कल्चर के नाम से बाजार में उपलब्ध है। वास्तव में जैव उर्वरक एक प्राकृतिक उत्पाद है। इनका उपयोग विभिन्न फसलों मे एवं स्फूर की आंशिक पूर्ति हेतु किया जा सकता है। इनके उपयोग का भूमि पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता है बल्कि ये भूमि के भौतिक व जैविक गुणों में सुधार कर उसकी उर्वरा शक्ति को बढ़ाने में सहायक होते हैं। जैविक खेती में जैव उर्वरकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

जीवाणु खाद का प्रभाव धीरे-धीरे होता है। हमारे खेत की एक ग्राम मिट्टी में लगभग दो-तीन अरब सूक्ष्म जीवाणु पाये जाते हैं जिसमें मुख्यत: बैक्टिरीया, फफूंद, कवक, प्रोटोजोआ आदि होते हैं जो मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाने व फसलोत्पादन की वृद्धि में अनेक कार्य करते हैं।

केंचुआ खाद (रोटरी स्क्रीन विधि से निर्मित)

केंचुआ खाद या वर्मीकम्पोस्ट पोषण पदार्थो से भरपूर एक उत्तम जैव उर्वरक है। यह केंचुआ आदि कीड़ों के द्वारा वनस्पतियों एवं भोजन के कचरे आदि को विघटित करके बनाई जाती है।

वर्मी कम्पोस्ट में बदबू नहीं होती है और मक्खी एवं मच्छर नहीं बढ़ते है तथा वातावरण प्रदूषित नहीं होता है। तापमान नियंत्रित रहने से जीवाणु क्रियाशील तथा सक्रिय रहते हैं। वर्मी कम्पोस्ट डेढ़ से दो माह के अंदर तैयार हो जाता है। इसमें 2.5 से 3% नाइट्रोजन, 1.5 से 2% सल्फर तथा 1.5 से 2% पोटाश पाया जाता है।

केंचुआ खाद की विशेषताएँ- इस खाद में बदबू नहीं होती है, तथा मक्खी, मच्छर भी नहीं बढ़ते है जिससे वातावरण स्वस्थ रहता है। इससे सूक्ष्म पोषित तत्वों के साथ-साथ नाइट्रोजन 2 से 3 प्रतिशत, फास्फोरस 1 से 2 प्रतिशत, पोटाश 1 से 2 प्रतिशत मिलता है।

- इस खाद को तैयार करने में प्रक्रिया स्थापित हो जाने के बाद एक से डेढ़ माह का समय लगता है।
- प्रत्येक माह एक टन खाद प्राप्त करने हेतु 100 वर्गफुट आकार की नर्सरी बेड पर्याप्त होती है।
- केचुँआ खाद की केवल 2 टन मात्रा प्रति हैक्टेयर आवश्यक है।

खाद्य कचरे को वर्मीडाइजेस्टर में डालकर निर्मित वर्मीकम्पोस्ट

केंचुआ कृषकों का मित्र एवं भूमि की आंत कहा जाता है। यह सेन्द्रिय पदार्थ, ह्यूमस व मिट्टी को एकसार करके जमीन के अन्दर अन्य परतों में फैलाता है इससे जमीन पोली होती है व हवा का आवागमन बढ़ जाता है, तथा जलधारण की क्षमता भी बढ़ जाती है। केचुँए के पेट में जो रासायनिक क्रिया व सूक्ष्म जीवाणुओं की क्रिया होती है, उससे भूमि में पाये जाने वाले नत्रजन, स्फुर (फॉस्फोरस), पोटाश, कैलशियम व अन्य सूक्ष्म तत्वों की उपलब्धता बढ़ती है। ऐसा पाया गया है कि मिट्टी में नत्रजन 7 गुना, फास्फोरस 11 गुना और पोटाश 14 गुना बढ़ता है।

केचुँए अकेले जमीन को सुधारने एवं उत्पादकता वृद्धि में सहायक नहीं होते बल्कि इनके साथ सूक्ष्म जीवाणु, सेन्द्रित पदार्थ, ह्यूमस इनका कार्य भी महत्वपूर्ण है।

केचुँए सेन्द्रिय पदार्थ, एवं मिट्टी खाने वाले जीव है जो सेप्रोफेगस वर्ग में आते है। इस वर्ग में दो प्रकार के केचुँए होते हैं

- (1) डेट्रीटीव्होरस - डेट्रीटीव्होरस जमीन के ऊपरी सतह पर पाये जाते है। ये लाल चाकलेटी रंग, चपटी पूँछ के होते है इनका मुख्य उपयोग खाद बनाने में होता है। ये ह्यूमस फारमर केचुँए कहे जाते है।
- (2) जीओफेगस - जीओ फेगस केचुँए जमीन के अन्दर पाये जाते है। ये रंगहीन सुस्त रहते हैं। ये ह्यूमस एवं मिट्टी का मिश्रण बनाकर जमीन पोली करते है।

केंचुआ खाद तैयार करने की विधि

- जिस कचरे से खाद तैयार की जाना है उसमे से कांच, पत्थर, धातु के टुकड़े अलग करना आवश्यक हैं।
- केचुँआ को आधा अपघटित सेन्द्रित पदार्थ खाने को दिया जाता है।
- भूमि के ऊपर नर्सरी बेड तैयार करें, बेड को लकड़ी से हल्के से पीटकर पक्का व समतल बना लें।
- इस तह पर 6-7 से0मी0 (2-3 इंच) मोटी बालू रेत या बजरी की तह बिछायें।
- बालू रेत की इस तह पर 6 इंच मोटी दोमट मिट्टी की तह बिछायें। दोमट मिट्टी न मिलने पर काली मिट्टी में रॉक पाऊडर पत्थर की खदान का बारीक चूरा मिलाकर बिछायें।
- इस पर आसानी से अपघटित हो सकने वाले सेन्द्रिय पदार्थ की (नारीयल की बूछ, गन्ने के पत्ते, ज्वार के डंठल एवं अन्य) दो इंच मोटी सतह बनाई जावे।
- इसके ऊपर 2-3 इंच पकी हुई गोबर खाद डाली जावे।

18 जनवरी को मौनी अमावस्या, जम्मू में धार्मिक तैयारियां शुरू

जम्मू, 16 जनवरी (हि.स.)। माघ मास की पावन मौनी अमावस्या 18 जनवरी को मनाई जाएगी जिसे लेकर जम्मू में धार्मिक तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस अवसर के महत्व पर जानकारी देते हुए श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रोहित शास्त्री ज्योतिषाचार्य ने बताया कि मौनी अमावस्या पर मौन व्रत, पवित्र स्नान और दान-पुण्य का विशेष महत्व है। स्कंद पुराण के अनुसार 'मौनी' शब्द की उत्पत्ति मुनि से हुई है और मान्यता है कि इसी दिन प्रथम पुरुष मनु का जन्म हुआ था। इस दिन मौन धारण करने से आत्मबल मजबूत होता है और मानसिक शांति प्राप्त होती है।

महंत रोहित शास्त्री ने बताया कि 18 जनवरी को मौनी अमावस्या के दिन पितरों की शांति के लिए उपवास, तिल, दूध और तिल से बनी मिठाइयों का दान अत्यंत फलदायी माना गया है। उन्होंने कहा कि जो श्रद्धालु गंगा या अन्य पवित्र नदियों में स्नान नहीं कर सकते, वे घर पर जल में गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं, जिससे गंगा स्नान का पूरा पुण्य प्राप्त होता है। पीपल के वृक्ष पर तिल, गंगाजल, जल और पुष्प अर्पित कर ' पितृभ्य- नम-' मंत्र का जाप करने से पितृ दोष शांति का योग बनता है।

उन्होंने आगे बताया कि इस दिन सूर्य देव को ताम्र पात्र में अर्घ्य देना, नीलकंठ स्तोत्र, सर्पसूक्त और श्रीनारायण कवच का पाठ करना शुभ माना गया है। शाम के समय घर के ईशान कोण में गाय के घी का दीपक जलाने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही तामसिक वस्तुओं से परहेज, ब्रह्मचर्य का पालन और संयमित आचरण करने की भी सलाह दी गई है।

ज्योतिषाचार्य के अनुसार मौनी अमावस्या पर राशि के अनुसार दान करने से विशेष लाभ प्राप्त होता है। जम्मू के श्रद्धालु 18 जनवरी को व्रत, दान और पूजा-अर्चना के माध्यम से सुख-समृद्धि, पितृ शांति और आध्यात्मिक उन्नति की कामना करेंगे।

जावेद राणा ने मेंढर में जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किया

मेंढर (पुंछ), 16 जनवरी ।जल शक्ति, वन, पर्यावरण, पारिस्थितिकी एवं जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने आज मेंढर में एक जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें उन्होंने जनता को प्रभावित करने वाली जमीनी स्तर की समस्याओं का आकलन किया ।इस दौरान मंत्री ने लोगों द्वारा उठाई गई विभिन्न शिकायतों और मांगों को धैर्यपूर्वक सुना। प्रमुख मुद्दों में पेयजल आपूर्ति योजनाएं, सड़क संपर्क, स्वास्थ्य सेवाएं तथा अन्य आवश्यक सार्वजनिक सुविधाओं की उपलब्धता शामिल रही।

स्थानीय निवासियों ने सरकार से विकास कार्यों के समयबद्ध निष्पादन तथा बुनियादी सुविधाओं की गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

जनता की चिंताओं पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ने आश्वासन दिया कि मेंढर की सभी वास्तविक समस्याओं और मांगों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाएगा।

उठाए गए मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए मंत्री ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को चल रहे तथा स्वीकृत विकास कार्यों में तेजी लाने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से निर्धारित समय-सीमा का सख्ती से पालन करने, पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखते हुए ठोस परिणाम सुनिश्चित करने को कहा।

मंत्री ने कहा कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार की मूल नीति जन-केंद्रित शासन, जवाबदेही और संवेदनशीलता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विकास के लाभ समयबद्ध तरीके से जमीनी स्तर तक पहुंचें और जन शिकायतों का त्वरित व प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए।

आउटरीच कार्यक्रम के दौरान ऑल जम्मू-कश्मीर नॉन-गजेटेड फॉरेस्ट ऑफिसर्स एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें वन रक्षकों फॉरेस्ट गार्ड्स के वेतन स्तर को पे लेवल-2 से बढ़ाकर पे लेवल-4 करने की मांग की गई, ताकि उन्हें पटवारी, जूनियर असिस्टेंट और ग्राम स्तरीय कार्यकर्ताओं के समकक्ष लाया जा सके। इसके साथ ही फॉरेस्टरों के वेतन स्तर को पे लेवल-6 में उन्नत करने की भी मांग की गई।

प्रतिनिधिमंडल ने चौबीसों घंटे ड्यूटी, रात्रि कार्य और वन संरक्षण में जीवन के जोखिम का हवाला देते हुए ढाई दिन के अतिरिक्त वेतन तथा जोखिम भत्ता रिस्क अलाउंस देने की भी मांग की। इसके अलावा, वन क्षेत्र के अग्रिम पंक्ति कर्मचारियों को उनके विशेष एवं तकनीकी दायित्वों को देखते हुए तकनीकी श्रेणी में शामिल करने की मांग भी रखी गई।

पुंछ से आए एक अन्य प्रतिनिधिमंडल ने जिले की प्रमुख विकास संबंधी चिंताओं से मंत्री को अवगत कराया, जिनमें स्वास्थ्य अवसंरचना का उन्नयन, सड़क संपर्क और विद्युत आपूर्ति शामिल हैं।

इसी तरह, एक प्रतिनिधिमंडल ने अपने क्षेत्रों में अपार लेकिन अप्रयुक्त पर्यटन संभावनाओं की ओर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने पर्यावरण-अनुकूल अवसंरचना, सामुदायिक सहभागिता तथा स्थानीय पारिस्थितिकी और संस्कृति के संरक्षण के माध्यम से सतत पर्यटन को बढ़ावा देने का आग्रह किया।

इस जनसंपर्क कार्यक्रम में मुख्य अभियंता जल शक्ति जम्मू हनीफ चौधरी; एसडीएम मेंढर इमरान कटारिया; अधीक्षण अभियंता हाइड्रोलिक पुंछ विपिन कुमार; पीडब्ल्यूडी, पीएचई और पीएमजीएसवाई के कार्यकारी अभियंता; खंड चिकित्सा अधिकारी मेंढर तथा राजस्व, आरडी एंड पीआर, शिक्षा और अन्य संबद्ध विभागों के उप-मंडलीय अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में चल रहे कार्यों की प्रगति के बारे में मंत्री को जानकारी दी।

मंत्री ने अधिकारियों को आपसी विभागीय समन्वय बनाए रखने तथा जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान उठाए गए मुद्दों पर नियमित प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए, ताकि प्रभावी अनुवर्ती कार्रवाई और समय पर समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

Government of Jammu & Kashmir

ANIMAL HUSBANDRY DEPARTMENT JAMMU

Foot and Mouth Disease (FMD) in Livestock

(FOR ATTENTION OF LIVESTOCK FARMERS)

Foot and Mouth Disease (FMD) is a highly contagious viral disease affecting cattle, buffaloes, sheep, goats and pigs which spreads rapidly and causes heavy economic losses to dairy farmers due to reduction in milk yield, poor growth rate, reduced working capacity in bullocks and mortality in young animals.

Common Signs of FMD:

FMD is characterized by high fever ($104\text{-}106^0$ F), loss of appetite and dullness, vesicular eruptions in the mouth, nose, muzzle, interdigital space of hooves and udder that ulcerate resulting in excessive salivation, lameness and mastitis in affected animals. Incidence of abortion in pregnant animals and death in younger animals is also quite high in this disease.

Vesicles on tongue

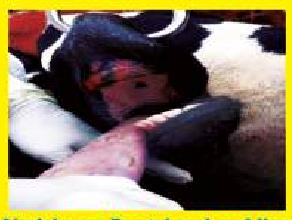

Vesicles on Dental pad and lips

Ulcers over hoof

How FMD spreads:

- Sharing of contaminated feed and water.
- Close contact with infected animal
- Through animal movement
- Through aerosol
- Through contaminated objects such as animal bedding etc.

Preventive & Control Measures:

a. If the disease is suspected please report immediately to the local veterinary authorities.
b. Segregation of affected animals from healthy ones in all respects including feeding and watering.
c. Control over animal movement in affected areas to reduce the spread of virus.
d. Control over movement of visitors and vehicles to livestock sheds.
e. Infected animal sheds, equipment and premises to be cleaned with suitable disinfectant.
f. Disposal of dead animals and infected feed and fodder should be carried out properly.
g. Treatment is only symptomatic so contact your local veterinarian for suitable treatment.

Government Appeal:

Early reporting and timely vaccinations can save the animals and prevent the spread of this dreadful disease. Animal Husbandry Department Jammu has launched Phase-7 of Foot and Mouth Disease under National Animal Disease Control Programme (NADCP) with effect from 2nd January, 2026 for mass vaccinations of cattle and buffalo population across all ten districts of Jammu province. The department urges livestock farmers to get their livestock vaccinated during the ongoing 45 days- long campaign.

For More Details Please Contact Your Nearest Veterinary Hospital /Dispensary

For Any Assistance Please contact Chief Animal Husbandry Officer of Your District

For All Queries Dial Toll Free No.'1962'

Website:https://animalhusbandryjammu.nic.in

Issued in Public Interest by Extension & Publicity Wing

Directorate of Animal Husbandry Talab Tillo Jammu

DIP/J-10314/25
Dtd: 16-1-2026